हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 65, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 2 सितम्बर, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

एक देश-एक चुनाव के लिए कमेटी के गठन पर बवाल

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को अध्यक्ष बनाने पर उठे सवाल

नई दिल्ली। एक देश-एक चुनाव की दिशा में केंद्र सरकार ने अपना कदम उठाते हुए एक कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी की अध्यक्षता देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों में दी गई है। कमेटी के गठन होने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पूर्व राष्ट्रपति कोविंद से मिलने पहुंचे। नड्डा ने रामनाथ कोविंद को गुलदस्ता और एक किताब भेंट के तौर पर दी। एक देश-एक चुनाव के लिए कमेटी के गठन पर विपक्षी पार्टी काफी नाराज हैं। उन्होंने केंद्र सरकार के इस फैसले पर सवाल भी उठाए हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनिल देसाई का मानना है कि कि सरकार को इसके बारे में विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ मिलकर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'एक देश-एक चुनाव का चाहे जो भी अवधारणा हो, उसे सभी राजनीतिक दलों के सामने रखने की जरूरत है। जिसके बाद इसपर विचार किया जाएगा। विचार-विमर्श और चर्चा के बाद ही इस पर फैसला लिया जाएगा।' शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने केंद्र सरकार पर चुनाव को आगे बढ़ाने के साजिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ये एक चुनाव आगे करने के लिए एक साजिश है। ये लोग चुनाव कराना नहीं चाहते हैं, क्योंकि ये INDIA गठबंधन से डर गए हैं। यही वजह है कि ये नए नए फंडे लेकर आ रहे हैं।' पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को एक देश-एक चुनाव की अध्यक्षता देने पर समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'एक देश-एक चुनाव कमेटी के अध्यक्ष के तौर पर पूर्व राष्ट्रपति का चुनाव नहीं करना चाहिए था। पारंपरिक रूप से पूर्व राष्ट्रपति को किसी भी पद के लिए नियुक्त नहीं किया जा सकता है। अगर उन्होंने (सरकार) ने ऐसा किया है तो ये गलत है। पहले एक देश-एक चुनाव पर चर्चा करना चाहिए और फिर इसपर निर्णय लेना चाहिए।' एक देश-एक चुनाव पर शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी सवाल उठाया है। उन्होंने केंद्र सरकार से पूछते हुए कहा, 'मैं पूछती हूं कि कमेटी महिलाओं की सुरक्षा, किसानों के अधिकारों, महिला आरक्षण, बेरोजगारी पर कब बनेगी? 3 कमेटी रिपोर्ट पहले ही आ चुकी हैं और वे कमेटी रिपोर्ट कहती हैं कि 5 संशोधन करने पड़ेंगे।' एक देश-एक चुनाव के लागू होने से राजनीतिक जानकारों के अनुसार इससे सबसे ज्यादा नुकसान क्षेत्रीय पार्टियों को होगा। दरअसल लोकसभा चुनाव में आमतौर पर मतदाता राष्ट्रीय मुद्दों के आधार पर और राष्ट्रीय पार्टी को वोट देना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव होंगे तो हो सकता है कि क्षेत्रीय दलों को इसका नुकसान झेलना पड़े।

अब अमान्य विवाह से पैदा हुए बच्चों को भी माता-पिता की संपत्ति में मिलेगा हिस्सा- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (1 सितंबर) को बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि "अमान्य विवाह" के बच्चों को माता-पिता की संपत्ति में हिस्सा मिल सकता है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि अमान्य विवाह के बच्चे हिंदू कानून के तहत माता-पिता की संपत्ति में अधिकार का दावा कर सकते हैं। हिंदू कानून के अनुसार, शून्य या अमान्य विवाह में पुरुष और महिला को पति-पत्नी का दर्जा नहीं मिलता है। हालांकि, शून्यकरणीय विवाह में उन्हें पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त है। शून्य विवाह में, विवाह को रद्द करने के लिए शून्यता की किसी डिक्री की जरूरत नहीं होती है। जबकि शून्यकरणीय विवाह में शून्यता की डिक्री की आवश्यकता होती है। शून्य विवाह एक ऐसा विवाह है जो शुरूआत से ही अमान्य है जैसे कि विवाह अस्तित्व में नहीं आया हो।

कोर्ट का फैसला 2011 की याचिका पर आया है- शीर्ष कोर्ट का फैसला 2011 की उस याचिका पर आया है जो इस जटिल कानूनी मुद्दे से संबंधित थी कि क्या गैर-वैवाहिक बच्चे हिंदू कानूनों के तहत अपने माता-पिता की पैतृक संपत्ति में हिस्सेदारी के हकदार हैं।

I.N.D.I.A के संयोजक पर सस्पेंस बरकरार, आज भी नहीं हुआ फैसला, 13 नेताओं की बनाई गई कमेटी

मुंबई। भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (I.N.D.I.A) की मुंबई में आज बैठक हुई । इस बैठक में कोआर्डिनेशन कमेटी बनाने का बड़ा फैसला लिया गया। वहीं, गठबंधन का संयोजक कौन होगा, इसे लेकर अभी भी सस्पेंस बरकरार है। आइएनडीआइए ने 13 सदरस्यीय कोआर्डिनेशन कमेटी बनाने का फैसला लिया है। इस कमेटी में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, जदयू नेता ललन सिंह, पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती, आप सांसद राघव चड्ढा शामिल हैं। इसके अलावा, कमेटी में भाकपा के डी राजा, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला, सपा के जावेद अली खान और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को शामिल किया गया है। अभिषेक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। I.N.D.I.A ब्लॉक द्वारा बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया है। इसमें कहा गया है कि हम आगामी लोकसभा चुनाव, जहां तक संभव हो, मिलकर लड़ने का संकल्प लेते हैं। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि विभिन्न राज्यों में सीट-बंटवारे की व्यवस्था तुरंत शुरू की जाएगी।

गठबंधन के संयोजक पर नहीं हो पाया कोई फैसला- बैठक को लेकर यह भी जानकारी निकलकर सामने आ रही है कि विपक्ष सितंबर के तीसरे हफ्ते में एक रैली का आयोजन कर सकता है। वहीं, बैठक में एक बार फिर गठबंधन के संयोजक को लेकर कोई फैसला नहीं हो पाया है। इस पर अभी भी सस्पेंस रखा गया है।

केंद्र पर बरसे खरगे, बोले- जनता को अब और धोखा नहीं दे सकती सरकार- केंद्र सरकार ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर अहम कदम उठाया है। इसको लेकर विपक्षी दल सरकार की आलोचना कर रहे हैं। वहीं अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। खरगे ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी लोगों का कितना भी ध्यान भटका ले, लेकिन अब जनता को धोखा नहीं दिया जा सकता है। खरगे ने आगे कहा कि निरंकुश सरकार के वापस जाने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। देश के 140 करोड़ लोगों ने बदलाव लाने का फैसला कर लिया है। खरगे ने 'एक्स' पर विपक्षी दलों को नेताओं के साथ एक फोटो पोस्ट की है। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, 'जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया... हम प्रगतिशील, कल्याण और समावेशी भारत के लिए एकजुट है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने मोदी सरकार की कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता ने कहा कि संसद के विशेष सत्र के एजेंडे को लेकर सस्पेंस है। कौन सा बिल आएगा, कौन सा नहीं आएगा... कुछ पता नहीं। अगर आप विशेष सत्र बुलाना चाहते हैं तो पहले आपको बुलाना चाहिए विपक्ष को विश्वास में लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाएं। क्या देश में तानाशाही चल रही है।

पाकिस्तान में पुलवामा जैसा हमला, सेना के काफिले से टकराया आत्मघाती हमलावर, धमाके में नौ की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। दरअसल टीटीपी के आत्मघाती हमले में पाकिस्तानी सेना के नौ जवानों की मौत की खबर है। घटना पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की है, जब एक बाइक सवार आत्मघाती आतंकी ने सेना के काफिले को धमाके से उड़ा दिया। इस धमाके में पाकिस्तानी सेना के नौ जवानों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हुए हैं। पाकिस्तानी सेना ने यह जानकारी दी है।

बता दें कि 14 फरवरी 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में एक आतंकी ने विस्फोटक लदी कार से सीआरपीएफ के काफिले के वाहन में टक्कर मार दी थी। इस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। पाकिस्तानी सेना के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) शाखा ने बताया कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में एक बाइक सवार आत्मघाती हमलावर ने सेना के काफिले को निशाना बनाया। हमलावर ने अपनी बाइक काफिले के एक वाहन से टकरा दी। इससे जबरदस्त विस्फोट हुआ और वाहन में सवार नौ जवानों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। घटना के बाद सुरक्षाबलों और जांच एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी कर दी है और इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की धरपकड़ के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दी है। वहीं इस आतंकी हमले की घटना पर पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने दुख जताया है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं जाहिर की हैं। बता दें कि बीते कुछ समय से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। खासकर टीटीपी द्वारा पाकिस्तान में कई बड़े आतंकी हमलों को अंजाम दिया गया है। टीटीपी कई आतंकी संगठनों का समूह है, जिसकी स्थापना साल 2007 में की गई थी।

पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को उम्रकैद, राजद नेता को हाईकोर्ट तक ने राहत दे दी थी

पटना। मुंबई के आलीशान होटल ग्रैंड हयात में भाजपा-विरोधी I.N.D.I.A. की बैठक चल रही और इधर बिहार की महागठबंधन सरकार की सबसे बड़ी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के लिए दिल्ली से बुरी खबर आयी। देश की शीर्ष अदालत ने राजद नेता और पार्टी के पूर्व सांसद बाहुबली प्रभुनाथ सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वोट के लिए हत्या के किसी केस में शायद बिहार में ऐसी पहली सजा है। निचली अदालत से लेकर हाईकोर्ट तक प्रभुनाथ सिंह को राहत मिलती गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अब उन्हें दोषी मानकर उम्रकैद की सजा सुनाई है। फिलहाल वह जेल में ही हैं। तत्कालीन एमएलए अशोक सिंह की हत्याकांड में जेल में सजा काट रहे हैं। आरोप यह था कि पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह ने अपने कहे अनुसार वोट नहीं देने पर छपरा के मसरख निवासी राजेंद्र राय (47) और दारोगा राय (18) की हत्या करवा दी। आरोप था कि इन लोगों ने प्रभुनाथ सिंह समर्थित प्रत्याशी को अपना मत नहीं दिया था। पहले यह मामला निचली अदालत पहुंचा था। 2008 में सबूतों अभाव में यहां से पूर्व सांसद को रिहाई मिल गई थी। इसके बाद यह मामला पटना हाईकोर्ट में पहुंचा। 2012 पटना हाईकोर्ट में मामला गया तो यहां पर निचली अदालत के फैसले को सही माना। इस फैसले के विरोध में राजेंद्र राय के

भाई ने सुप्रीम कोर्ट से न्याय की गुहार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों (जस्टिस किशन कौल, जस्टिस एएस ओका, जस्टिस विक्रम नाम) की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। दोनों पक्ष की दलीलों को सुना। इस मामले प्रभुनाथ सिंह के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाया। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को डबल मर्डर केस में दोषी करार दिया।

रोवर प्रज्ञान ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर रिकॉर्ड की अद्भुत घटना, इसरो जांच में जुटा

बंगलुरू। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को बताया कि चांद की सतह पर घूम रहे रोवर प्रज्ञान ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर एक अद्भुत घटना को रिकॉर्ड किया है। इसे एक प्राकृतिक घटना माना जा रहा है और इसरो इस घटना के स्त्रोत के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रहा है। दरअसल रोवर प्रज्ञान ने चांद पर एक खास भूकंपीय कंपन को रिकॉर्ड किया है।

इसरो ने ट्वीट कर दी जानकारी- इन सिचुएशन वैज्ञानिक प्रयोग के तहत चंद्रयान - 3 के लैंडर पर लगे आईएलएसए (इंस्ट्रूमेंट ऑफ लूनर सीस्मिक एक्टिविटी) पेलोड माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम्स टेक्नोलॉजी से लैस है। पहली बार चांद पर ऐसा इंस्ट्रूमेंट भेजा गया है। रोवर प्रज्ञान और अन्य पेलोड की मूवमेंट को रिकॉर्ड किया। इसी दौरान 26 अगस्त 2023 को एक घटना भी रिकॉर्ड हो गई। यह घटना अभी प्राकृतिक लग रही है। हालांकि इसकी जांच की जा रही है। इसरो ने बताया कि आईएलएसए पेलोड ने रोवर प्रज्ञान और अन्य पेलोड्स की चांद पर मूवमेंट के कारण एक कंपन को रिकॉर्ड किया है। आईएलएसए में छह हाई-सेंसिटिविटी एक्सेलोमीटर्स लगे हैं। इन एक्सेलोमीटर्स ने चंद्रमा की सतह पर उठने वाली कंपन को मापा है। आईएलएसए पेलोड को बंगलुरू के लैबोरेटरी फॉर इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स सिस्टम द्वारा डिजाइन किया गया है। इसमें निजी कंपनियों ने भी मदद की है। वहीं आईएलएसए को चांद पर डिप्लोय करने के मैकेनिज्म को बंगलुरू के यूआर राव सैटेलाइट सेंटर में तैयार किया गया है।

सल्फर की मौजूदगी की पुष्टि हुई- इससे पहले मंगलवार को रोवर ने चांद पर सल्फर की मौजूदगी की पुष्टि की है। रोवर पर मौजूद लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप उपकरण ने चांद की सतह पर सल्फर की मौजूदगी की पुष्टि की है। साथ ही कई अन्य प्राकृतिक तत्व भी चांद पर पाए गए हैं। अब चांद पर हाइड्रोजन की मौजूदगी की जांच की जा रही है।

मंत्री के बेटे ने फ्लाइट में बैठे हुए अपनी और टिकट की फोटो की शेयर, घटना के समय बाहर होने का दावा

लखनऊ। लखनऊ में केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के घर भाजपा कार्यकर्ता विनय श्रीवास्तव की संदिग्ध मौत के बाद मंत्री के बेटे विकास किशोर ने फ्लाइट में बैठे हुए अपनी और टिकट की फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। दावा किया है 31 अगस्त की शाम को वह दिल्ली के लिए रवाना हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विकास ने अपने फेसबुक अकाउंट पर ये तस्वीरें साझा की हैं। लखनऊ के दुबग्गा के बेगरिया में केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर के नए मकान में शुक्रवार की सुबह तड़के चार बजे भाजपा कार्यकर्ता विनय श्रीवास्तव की पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी गई। बेगरिया फरीदीपुर निवासी विनय श्रीवास्तव (24) भाजपा कार्यकर्ता था। केंद्रीय राज्यमंत्री के बेटे विकास किशोर उर्फ आशु के साथ रहता था। शुक्रवार की सुबह तड़के 4 बजे विनय के सिर में पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी गई। शव बेड के पास जमीन पर पड़ा था। मौके पर अरुण प्रताप सिंह उर्फ बंटी, शमीम बाबा, अंकित वर्मा, अजय रावत सहित दो अन्य अज्ञात लोग मौजूद थे। परिजनों ने अजय, अंकित और शमीम पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

आदित्य-एल1 के लॉन्च से पहले इसरो वैज्ञानिकों ने मंदिर पहुंचकर लिया भगवान का आशीर्वाद

बंगलुरू। इसरो का सूर्य मिशन आदित्य-एल1 लॉन्चिंग के लिए तैयार है। लॉन्चिंग की लगभग सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और अगर सबकुछ सही रहा तो शनिवार यानी दो सितंबर को सुबह करीब 11.50 बजे आदित्य-एल1 को लॉन्च कर दिया जाएगा। भारत के पहले सौर मिशन की लॉन्चिंग से पहले इसरो के वैज्ञानिकों ने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। इसरो के वैज्ञानिकों की एक टीम शुक्रवार को आदित्य-एल1 के एक छोटे मॉडल के साथ आंध्र प्रदेश स्थित तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर मंदिर दर्शन करने पहुंचे। आदित्य-एल1 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेस पोर्ट से लॉन्च किया जाएगा।

इसरो चीफ ने भी मिशन की सफलता के लिए मंदिर में की प्रार्थना- इसरो के पहले सौर मिशन से पहले भारतीय अंतरिक्ष संगठन के चीफ एस सोमनाथ भगवान का आशीर्वाद लेने मंदिर पहुंचे। एस सोमनाथ ने तिरुपति जिले के चेंगालम्मा परमेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना की और मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना की। पूजा अर्चना के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 'आदित्य एल1 की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और इसे कल सुबह करीब 11.50 बजे लॉन्च किया जाएगा। आदित्य एल1 सैटेलाइट सूरज का अध्ययन करेगी। एल1 पॉइंट तक पहुंचने में

इसे 125 दिन का समय लगेगा। यह एक अहम मिशन है। अभी तक हमने चंद्रयान-4 मिशन को लेकर फैसला नहीं किया है और जल्द ही इसका एलान किया जाएगा। आदित्य-एल1 के बाद हमारा अगला लॉन्च गगनयान होगा, जो अक्तूबर के पहले हफ्ते में होगा।'

आदित्य एल1 के साथ भेजे जाएंगे सात पेलोड- आदित्य एल1 भारत का पहला सोलर मिशन है, जिसे पीएसएलवी-सी57 से अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इस मिशन के साथ सात पेलोड भी भेजे जाएंगे जो सूरज का अध्ययन करेंगे। चार पेलोड सूरज से आने वाली रोशनी का अध्ययन करेंगे, वहीं बाकी तीन इन सिचुएशन पैरामीटर पर प्लाज्मा और चंबकीय क्षेत्रों का अध्ययन करेंगे। आदित्य एल1 पर सबसे अहम पेलोड विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ या VELC है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स द्वारा इसे टेस्ट और कैलिब्रेट किया गया है।

चार महीने का लगेगा समय- आदित्य एल1 को लैग्रेजियन पॉइंट 1 के होलो ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा। यह पॉइंट पृथ्वी से करीब 15 लाख किलोमीटर दूर है और यहां से बिना किसी परेशानी के सूरज पर नजर रखी जा सकती है। आदित्य एल1 को पृथ्वी और सूर्य के बीच मौजूद इस लैग्रेजियन पॉइंट पर पहुंचने में करीब चार महीने का वक्त लगेगा। सूरज की गतिविधियों के अंतरिक्ष के मौसम पर पड़ने वाले असर का भी अध्ययन किया जाएगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर कार्रवाई की मांग: महंत ने कहा- अगर पुलिस ने दर्ज नहीं की रिपोर्ट तो करेंगे अनशन

बरेली। हिंदू धर्म के खिलाफ समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की बयानबाजी से आहत बरेली के साईं मंदिर के महंत पंडित सुशील पाठक ने बारादरी थाने में तहरीर दी है। इस पर श्यामगंज चौकी प्रभारी ने महंत को लाकर बयान दर्ज किए। महंत ने चेतावनी दी है कि अगर रविवार रात तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई तो वह सोमवार सुबह से बेमियादी अनशन शुरू करेंगे। पंडित सुशील पाठक ने तहरीर में जिक्र किया है कि स्वामी प्रसाद मौर्य रोज ही हिंदू धर्म और ब्राह्मणों को निशाना बनाकर बयान दे रहे हैं। वह राजनीतिक पदों पर बैठे या सत्तापक्ष को लेकर कोई बयान दें, इससे कोई परहेज नहीं है, लेकिन हिंदू धर्म को धोखा बताकर और मंदिरों को तोड़ने जैसे बयान देकर वह ठीक नहीं कर रहे हैं। इससे देश के एक बड़े वर्ग की भावनाएं आहत हो रही हैं। मंदिर के महंत ने आरोप लगाया कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कई बार अपने भाषण के माध्यम से हिंदू समाज को आपस में बांटने व लड़ाने का प्रयास किया है, जिससे हिंदू धर्म को मानने वालों की आस्था को ठेस पहुंची है। उन्होंने अपने एक भाषण में यह भी बोला है कि मंदिरों को तुड़वाकर जांच की जाए तो वहां बौद्ध मठ निकलेंगे। महंत ने पुलिस को

तहरीर देकर मांग की है कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ तत्काल रिपोर्ट दर्ज की जाए। बारादरी थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर अली हसन ने बताया कि श्यामगंज चौकी प्रभारी मामले की जांच कर रहे हैं। बयान लखनऊ में दिया गया है। यहां रिपोर्ट दर्ज करने के आधार को लेकर उच्चाधिकारियों से बात करेंगे।

संपादकीय

हिरासत में कैदियों को यातना और उनकी मौत नागरिकों के बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन

कारागारों में मानवीय वातावरण बनाने की सिफारिश लंबे समय से की जाती रही है। इसके मद्देनजर सुधार के कुछ उपाय भी आजमाए जा चुके हैं। जेल नियमावली को मानवीय बनाने का प्रयास किया गया। मगर हकीकत यह है कि जेलों में मिलने वाली यातनाओं, जेल कर्मियों की लापरवाही, बाहरी तनावों और वंदियों के परस्पर संघर्ष की वजह से हर साल सैकड़ों कैदी अपनी जान गंवा देते हैं। जेलों में सुधार संबंधी सिफारिशें देने के मकसद से पांच साल पहले सर्वोच्च न्यायालय ने एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अगुआई में तीन सदस्यों की समिति गठित की थी। उस समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि 2017 से 2021 के बीच जेलों में 817 अप्राकृतिक मौत हुईं, जिनमें से सबसे अधिक मौत की वजह आत्महत्या थी। इस दौरान 660 लोगों ने खुदकुशी कर ली, 41 की हत्या कर दी गई, जबकि 46 आकस्मिक मौत थीं। सात कैदियों की मौत बाहरी तत्त्वों के हमले और जेल कर्मियों की लापरवाही या ज्यादती के कारण हुई। जेलों में खुदकुशी की सबसे अधिक, एक सौ एक, घटनाएं उत्तर प्रदेश में दर्ज हुईं। उसके बाद पंजाब और पश्चिम बंगाल में क्रमशः तिरसठ और साठ कैदियों ने आत्महत्या की। जो प्राकृतिक मौतें हुईं उनमें वृद्धावस्था, बीमारी जैसे कारण थे। वृद्धावस्था के कारण 462 और बीमारी के कारण 7,736 कैदियों की मौत हुई। समिति ने अपनी सिफारिशों में जेलों में कुछ महत्त्वपूर्ण बदलाव के सुझाव देते हुए चिंता जताई है कि हिरासत में कैदियों को यातना और उनकी मौत नागरिकों के बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन और मानवीय गरिमा का अपमान है। हालांकि जेलों की दुर्दशा पर अनेक बार चिंता जताई जा चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय खुद कई बार कह चुका है कि जेलों में भीड़भाड़ कम करने के लिए विचाराधीन कैदियों के मामलों की त्वरित सुनवाई की जानी चाहिए। ऐसे कैदियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र रिहा किया जाना चाहिए जो अपने ऊपर लगे आरोप में तय अधिकतम सजा से अधिक समय जेल में बिता चुके हों। मगर जांच, गवाही, सुनवाई आदि में देरी की वजह से मामूली जुर्म के आरोप में भी बहुत सारे लोग वर्षों विचाराधीन कैदी के रूप में कारागार में बंद रहते हैं। इससे जेलों पर दबाव लगातार बढ़ता गया है। ज्यादातर जेलों में क्षमता से कई गुना अधिक कैदी रखे गए हैं। इस तरह न तो उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो पाती हैं, न उन पर समुचित ध्यान दिया जा पाता है। सुरक्षा में भी इसी वजह से चूक होती है। जेलों का मकसद कैदियों में सुधार की संभावना पैदा करना होता है। बेशक जाने या अनजाने किए किसी जुर्म की वजह से उन्हें जेल में डाल दिया गया हो, मगर वहां भी उन्हें मानवीय गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है। यह बात जेल प्रशासन शायद ही कभी ध्यान रखता है। जेलों में दी जाने वाली यातनाएं, उन्हें रहने-खाने, चिकित्सा संबंधी सुविधाओं में घोर उपेक्षा जगजाहिर है। उत्तर प्रदेश इस मामले में सदा से कुख्यात रहा है। हिरासत में होने वाली मौतों के सबसे अधिक मामले वहीं दर्ज होते हैं। मगर सर्वोच्च न्यायालय की बार-बार फटकार और जेलों में सुधार की जरूरत रेखांकित किए जाने के बावजूद जेल प्रशासन के रवैए में कोई बदलाव नजर नहीं आता। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित समिति ने अपनी सिफारिशों में जेल कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण की जरूरत रेखांकित की है। यह कितना और कैसे संभव होगा, देखने की बात है।

नहीं वो पैसा आया!

आकर हमने लालच में भी ।
था खाता खुलवाया ।।
इंतजार है अब तक ।
नहीं वो पैसा आया ।।

अलग-अलग नया नया ।
आता रोज बयान ।।
कुछ वर्षों से फिर भी ।
ना मिला सम्मान ।।
दे रहे हैं लालच ।
हमको भी बुलाओ ।।
मनमाफिक जल्द से ।
अब तो वो फल पाओ ।।
जोर लगाया पूरा ।
हो जाए उद्धार ।।
गर्त में हम हैं गिरे ।
इस पर करें विचार ।।

-कृष्णेन्द्र राय

त्योहार भारतीय संस्कृति में लगाता है चार चांद

अशोक कुमार

भारत को कृषि प्रधान और गांवों का देश कहा गया है, जहां कृषि कर्म और मौसम के साथ साथ पर्व-त्योहार और उत्सव का अटूट बंधन विद्यमान है। ये सभी आयाम केवल मनोरंजन या आनंद प्राप्त करने के लिए नहीं हैं, बल्कि इसकी पृष्ठभूमि में मुख्य संदेश जीवन यात्रा को सही दिशा और गति सहित अपने बुजुर्गों द्वारा संचालित सामाजिकता के सकारात्मक भाव को सुगठित करना है। पर्वों के प्रकल्प जहां हमारे लोक संस्कृति के विभिन्न हिस्सों को तुष्ट और पुष्ट करते रहते हैं, वहीं इसकी निरंतरता से सदैव हम ऊर्जान्वित भी रहते हैं। पर्वों का संबंध किसी न किसी सामाजिक परंपरा, धार्मिक मान्यता, पौराणिक घटना और ऋतुचक्र से जुड़ा हुआ है। मानव सभ्यता के प्रारंभ काल से ही मनुष्य ऐसे क्षणों और अवसरों का सृजन करता रहा है, जिसमें वह जीवन के दुख, कष्ट और तनाव को विस्मृत कर सामूहिक रूप से उत्साह, उल्लास और उमंग का अनुभव कर सके, जिसे हम पर्व और उत्सव से जोड़ कर देखते हैं। यही कारण है कि हम कभी पर्वों की प्रतीक्षा आतुर होकर करते थे और इसे मनाने की तैयारी में लोग आत्मीय तरंग से युक्त हुआ करते थे।

भारतीय संस्कृति विविधता से भरी हुई है जो हमारे जीवन शैली को खूबसूरती का अहसास भी कराती है। पग पग बदले बोली, पग पग बदले भेष वाले अपने देश में पूरे वर्ष कोई न कोई पर्व, उत्सव मनाए जाने की शृंखला है। बचपन की यादें जब करवट लेती हैं, तो मन बरबस यह स्वीकार करता है कि होली, दुगार्पूजा, दीपावली की तरह रक्षाबंधन भी पूरे जोश से हम सभी मनाते थे। हालांकि

वर्तमान समय में इन पर्वों के निर्वहन में कालगत परिवर्तन का पारदर्शी प्रतिबिंब देखा जा सकता है। काल के कपाल पर पारिवारिक संबंधों में क्षरण, एकल परिवार का गठन, ग्राम्य जीवन का नगरीय पलायन और आर्थिक अभाव कुछ ऐसे तत्त्व हैं, जो पर्वों के मूल मर्म को प्रभावित किए हुए हैं।

आज का भारतीय समाज जिस परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, उसके प्रभाव से हमारे पर्व-त्योहार भी अछूते नहीं हैं। खाने-पीने और रहन-सहन का स्तर बदला तो इसका प्रभाव हमारे पर्वों पर भी पड़ा है। शुभ दीपावली अब हैप्पी दिवाली के संस्करण में प्रस्थान कर चुका है, जबकि पर्व-त्योहार में लोगों के आपस में मिलने-जुलने की प्रवृत्ति भी आत्मकेंद्रित होती गई है। होली जैसे त्योहारों पर तो लोग सोच-समझ कर घर में कैद रहते हैं और लोगों से मिलने-जुलने से हिचकते हैं। आखिर यह नौबत क्यों आई है? बाकी त्योहारों के मौके पर भी रौनक अब घर-आंगन में कम, बाजारों की चकाचौंध में ज्यादा दिखती है। हमारे पर्वों की भावनाओं को बाजारवाद ने अच्छी तरह अपने दामन में समेट लिया है। हालांकि इस परिदृश्य को समाज का एक वर्ग बाजारीकरण का नाम देते हुए इसकी आलोचना भी करता है, लेकिन दूसरे वर्ग के कथन में भी व्यावहारिक साक्ष्य है कि तेजी से बदलते वक्त में परंपराओं को जीवित रखने में आज बाजार अपने नूतन संस्करण का उपयोग करते हुए कई तरह से सकारात्मक भूमिका भी निभा रहा है। भले ही आज लोगों के पास समय का अभाव है, लेकिन पर्व मनाने का जज्बा आज भी लोक जीवन के भीतर गतिशील है। यही भाव-शक्ति परदेस में नौकरी या रोजगार में लगे लाखों लोगों को हर वर्ष दशहरा, होली, ईद, दिवाली, छठ-पूजा जैसे पर्वों में घर-आंगन आने से रोक नहीं पाते। हां, यह सही है कि रक्षा बंधन जैसे पर्व पर असंख्य भाई सैकड़ों मील दूर अपरिहार्य कारणों से अपनी बहन के घर नहीं जा पाते या बहन चाह कर भी भाई के पास नहीं आ पाती।

तो इसी बाजार की सक्रियता और तीव्रता के कारण ही हर साल ऐसी तमाम बहनें घर बैठे आनलाइन राखी की थाली मधुर व्यंजन के साथ अपने-अपने भाइयों को भेज दिया करती हैं। लेकिन इस व्यवस्था से न तो भाई-बहन के बीच आत्मीयता कम होती है और न स्नेह बंधन के धागे कमजोर हुआ करते हैं। इसे तकनीक और बाजार के सम्मिलन से पर्व-त्योहार की संवेदना को बरकरार रखने की कोशिश कहा जा सकता है। लेकिन आखिरकार आभासी दुनिया की संवेदनाएं वास्तविक अनुभूति की बराबरी नहीं कर सकती हैं। इसलिए जिन भाई बहनों को परिस्थिति जरा भी सहयोग करे, तो उन्हें मिलकर रक्षा बंधन पर्व का जरूर आनंद ग्रहण करना चाहिए। परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है और इस बदलाव के साथ अपनी विरासतीय परंपराओं का निर्वाह करने में हमें कोई गुरेज नहीं करना चाहिए। पर्वों के बदलते स्वरूप को समय के साथ संजोकर रखने के लिए विज्ञान और तकनीक का व्यवहार निश्चय ही प्रशंसनीय कहा जा सकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में समय की मांग है कि हमारे पुरखों द्वारा स्थापित पर्वों के बहुमूल्य उद्देश्यों को मनन कर इसके माध्यम से भारतीय सामाजिक संरचना को नव दिशा, नव विधा, नव छंद, नव आनंद एवं नव उत्साह की तरंगों से सींचते रहने की मुस्कान भरनी चाहिए। शायद तभी स्वरूप बदलते और संवेदनात्मक स्तर पर कमजोर होते हमारे पर्व और त्योहारों का जीवन बच सकेगा।

संसार में एक दूसरे से काम पड़ना जुड़ाव का सबसे बड़ा कारण

राजेंद्र प्रसाद

सृष्टि के सभी जीव प्रकृति की अद्भुत रचना हैं। नियति ने उन्हें अपनी सर्वश्रेष्ठ जादूगरी से सुंदर और आकर्षक बनाया है। संसार के बहुत से रहस्य साधकों के तपोबल से बाहर हैं। परंपरागत रूप से अनेक शोध, मनन और अध्ययन इस जाल को तोड़ नहीं पाए। जीव जितना उसको समझने की कोशिश करता है, उतने ही रहस्य और अधिक गहराते जाते हैं। बहुधा मानवीय समझ सुलझने के बजाय उलझती जाती है। निस्संदेह सही जीवन जीने की कला बहुत कम लोग जानते हैं। मनुष्य पैदाइशी रूप से आंनद और सुख तलाशता है, पर व्यवहार में वैसा नहीं करता है तो दुख पैर पसार जाता है। जब-जब कुछ करने की सोचता है तो काम, क्रोध, मद, मोह और लोभ की आभा उसे निरंतर अपने आगोश में ले लेती है।

अगर वह उन पर नियंत्रण का अभ्यास नहीं करता है तो वही चीजें समाज में उसे नीचा दिखाने के लिए काफी हैं। ऊहापोह में व्यक्ति यह मानने में विफल होता है कि इन विकारों से कितनी गिरावट का सामना करना पड़ता है। यकीनन गिरना सरल है, लेकिन व्यक्ति अगर

कहीं गिर जाए तो उठकर संभलना और फिर संभलकर चलना बहुत कम लोगों के वश की बात है।

संसार में जो पैदा हुआ है, उसे देर-सबेर नष्ट होना है। अज्ञानतावश हम ऐसा समझते हैं कि लाखों बरसों के लिए आए हैं और कभी नहीं जाएंगे। भ्रम में जीते हैं कि मनचाहे कर्मों और सोच का फल हमें नहीं मिलेगा। झूठी शान-शौकत के चक्कर में हम अपने अस्तित्व को सही पहचानने-संवारने में ज्यादातर नाकाम दिखते हैं। जिसने अपना सही मूल्यांकन करना सीख लिया, वह बहुत-सी समस्याओं और विकारों से बच जाता है। यह तभी संभव है, जब अहंकारी हवा से नहीं फूलते, अपनी कमी निरपेक्ष भाव से देखते हैं, किसी भी परिस्थिति में हुए सही या गलत कर्म की जिम्मेदारी खुद के कंधों पर लेते हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत पाखंड की केंचुली से भी होती है। संयोगवश जब यह उतरती है तो व्यक्ति खुद को हल्का महसूस करता है। अमूमन व्यक्ति छोटी-बड़ी सफलता का श्रेय खुद को देता है और विफलता का ठीकरा दूसरों के माथे पर फोड़ता है। दूसरों की अपेक्षा विकास का मुकाम ज्यादा हासिल होने से इंसान फूला नहीं समाता और खुद को कुशल, सक्षम और कर्मसाधना का मालिक मान बैठता है। स्वार्थ जब तक हित के साथ जुड़ा रहेगा, तब वह ज्यादा विकृत नहीं होता। संसार में दूसरे से काम पड़ना जुड़ाव का बहुत बड़ा साधन है। दिक्कत तब आती है जब खुद के स्वार्थ को आगे रख दूसरों के साथ आचरण करते हैं। कोई भी आमतौर तब तक सहयोग करता है, जब तक हम स्वार्थी सिद्ध नहीं होते। विकास की तथाकथित चूहादौड़ में समाज का जिस तेजी से नैतिक पतन हो रहा है, वह हमें उतना ही स्वार्थजाल में जकड़ रहा है। चतुराई, धोखा, गुमराह करने की आदत, गैर-जिम्मेदारी से कुछ भी बोलना, मनमर्जी का आचरण, निम्न सोच, बढ़ती संवेदनहीनता, नीचा दिखाने में दिलचस्पी, धन-माया का बढ़ता अंधमोह आदि ऐसे विकार हैं, जो हमें स्वार्थ की चाशनी में अनवरत डुबोते हैं।

धन, शक्ति, शिक्षा, संख्याबल आदि से युक्त व्यक्ति अपने को बड़ा और ताकतवर मानने लगता है। ऐसे में सही-गलत के प्रति वह अपनी आंखें चाहे-अनचाहे मूंद लेता है। यकीनन सूझबूझ वाला व्यक्ति सोचता है कि कोई उसकी सलाह या नसीहत का बुरा न मान ले। ऐसा असमंजस समाज में बहुत कुछ गलत होने से बचा नहीं पाता। अगर किसी ने कुछ दिलेरी दिखाई तो वह भी भयाक्रांत रहता है। कुछ लोग इसी कारण गलत को चाहे-अनचाहे झेलते रहते हैं। इससे समाज पर कुप्रभाव पड़ता है। मुख्य रूप से व्यक्ति अपने पैदाइशी विकार दूर किए बगैर खुश रहना चाहता है। अगर हमारी आदतों में अहंकार, पाखंड, संकीर्णता, विचलन आदि है तो हमें कमजोर करने के लिए किसी दुश्मन की जरूरत नहीं, बल्कि हम खुद जिम्मेदार हैं। माना जाता है कि रावण में विद्वता थी, लेकिन मन में विकार थे, जिससे सोने की लंका देखते-देखते दहन हो गई। जीवन की उठापटक सहज बनानी है तो प्रतिदिन अपने विकारों की धार कम करने के लिए सच्चे अर्थों में प्रयत्नशील रहेंगे, तभी जीने का उद्देश्य सफल हो सकता है। यह कोई असंभव नहीं, लेकिन थोड़ा मुश्किल जरूर है। हमें अपनी दुष्प्रवृत्तियों को निरंतर तलाशना और तराशना है, जो थोड़े संकल्प व सतत प्रयास से संभव है। जब अपनी गलतियां समझना, मानना और उनका निवारण शुरू कर देते हैं तो मार्ग काफी सरल हो जाता है। इस चेतना से कुछ समय बाद हम पाएंगे कि हम खुद के काफी नियंत्रण में हैं और जीवन काफी सहज रहेगा। निस्संदेह कर्म एक ऐसा भोजनालय है, जहां हमें कुछ आदेश देने की जरूरत नहीं। यहां वही मिलता है, जो हमने पकाया है।

इतिहास के सबसे खतरनाक साल की कहानी, जब 18 महीने आसमान से गायब रहा सूरज, इंसानों ने लाशों को खाना शुरू कर दिया

कोरोना महामारी से भी बुरा था 536 ईसा पूर्व का वो साल जिसे मानव इतिहास का सबसे खतरनाक वक्त माना जाता है। आखिर उस साल में ऐसा क्या हुआ था कि जिसका नाम लेते ही यूरोपीय देशों की रूह कांप जाती है। 1349 नहीं, जब ब्लैक डेथ ने आधे यूरोप को मिटा दिया था। 1918 नहीं, जब फ़्लू ने 50 मिलियन से 100 मिलियन लोगों की जान ले ली थी, जिनमें अधिकतर युवा वयस्क थे। ये साल 536 का था। एक रहस्यमय कोहरे ने यूरोप, मध्य पूर्व और एशिया के कुछ हिस्सों को 18 महीनों तक दिन और रात में अंधेरे में डुबा दिया। बीजान्टिन इतिहासकार प्रोकोपियस ने लिखा सूरज ने चंद्रमा की तरह, पूरे वर्ष के दौरान बिना चमक के अपनी रोशनी दी। 536 की गर्मियों में तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से 2.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जो पिछले 2300 वर्षों में सबसे ठंडे दशक की शुरूआत थी। उस गर्मी में चीन में बर्फ गिरी, फसलें खराब हो गईं, लोग भूखे मर गए। मानव इतिहास का सबसे बुरा साल 2020-21 भारत समेत पूरी दुनिया के लिए सबसे भयानक रहा है। जिसमें लाखों करोड़ों लोगों ने अपनी जान गंवा दी और खतरनाक वायरस ने महीनों तक अस्पतालों में भर्ती होने पर मजबूर कर दिया। कोरोना नाम की महामारी ने ऐसी दस्तक ली एक दिन में हजारों जानें ली। बच्चों ने स्कूल जाना छोड़ दिया, स्कूलों ने क्लास लगाना छोड़ दिया। गलियां वीरान, पार्क सुनसान, सभी देशों की अर्थव्यवस्था ठप्प हो गई थी, जबकि पर्यटन और व्यापार में भी रोक लग गई। कोरोना काल को लोग मानव इतिहास का सबसे बुरा साल मानते हैं, जिसमें हर किसी ने अपने किसी नजदीकी रिश्तेदार, दोस्त या सगे-संबंधी को खो दिया। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि मानव इतिहास में कोरोना का काल सबसे बुरा वक्त नहीं है। धरती पर इससे पहले भी वैश्विक महामारी का दौर आया था। जिसके चपेट में आने से न सिर्फ इंसानों पर असर पड़ा था। बल्कि ये बुरा वक्त काफी लंबे वक्त चल चलता रहा था और इंसान ही इंसान के दुश्मन हो गए थे। वे अपनी भूख मिटाने के लिए इंसानों का मांस की खाने पर मजबूर हो गए थे।

फिर, 541 में बुबोनिक प्लेग ने मिस्र में पेलुसियम के रोमन बंदरगाह को निशाना बनाया। मैककोर्मिक का कहना है कि जिसे जस्टिनियन का प्लेग कहा जाने लगा, वह तेजी से फैला, पूर्वी रोमन साम्राज्य की एक तिहाई से आधी आबादी का सफाया हो गया और इसके पतन की गति तेज हो गई। इतिहासकार लंबे समय से जानते हैं कि छठी शताब्दी का मध्य एक काला समय था जिसे अंधकार युग कहा जाता था, लेकिन रहस्यमय बादलों का स्रोत लंबे समय से एक पहेली बना हुआ है। अब, ओरोनो में यूनिवर्सिटी ऑफ मेन (यूएम) के जलवायु परिवर्तन संस्थान में मैककॉर्मिक और ग्लेशियोलॉजिस्ट पॉल मेवस्की के नेतृत्व में एक टीम द्वारा स्विस ग्लेशियर से बर्फ के एक अति सटीक विश्लेषण ने पहचान कर ली है। हार्वर्ड में एक कार्यशाला में टीम ने बताया कि 536 की शुरूआत में आइसलैंड में एक प्रलयंकारी ज्वालामुखी विस्फोट ने पूरे उत्तरी गोलार्ध में राख उगल दी। इसके बाद 540 और 547 में दो अन्य बड़े विस्फोट हुए। बार-बार हुए विस्फोटों के बाद, प्लेग ने यूरोप को चपेट में ले लिया। आर्थिक स्थिरता जो 640 तक चली। हिस्ट्री डॉट कॉम की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ज्वालामुखी के लावे कुछ इस से फैले कि मकर रेखा के उत्तर का अधिकांश इलाका धुएं से भर गया और करीब इन 18 महीनों में लाखों लोग काल के मुंह में समा गए। नॉर्मन में ओक्लाहोमा करके, अब बर्न विश्वविद्यालय के माइकल सिगल के नेतृत्व में एक टीम ने पाया कि पिछले 2500 वर्षों में लगभग हर असामान्य रूप से विश्वविद्यालय के प्रोवोस्ट और एक मध्ययुगीन और रोमन इतिहासकार काइल हार्पर के अनुसार, बर्फ में जमी प्राकृतिक आपदाओं और मानव प्रदूषण का विस्तृत लॉग हमें मानव और प्राकृतिक कारणों के संयोजन को समझने के लिए एक नए प्रकार का रिकॉर्ड देता है। जब से 1990 के दशक में वृक्ष वलय अध्ययनों से पता चला कि वर्ष 540 के आसपास ग्रीष्मकाल असामान्य रूप से ठंडा था, तब से शोधकताओं ने इसका कारण ढूंढ़ना शुरू कर दिया है। तीन साल पहले ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ध्रुवीय बर्फ के टुकड़ों से एक सुराग मिला था। जब कोई ज्वालामुखी फूटता है, तो यह सल्फर, बिस्मथ और अन्य पदार्थों को वायुमंडल में उगलता है, जहां वे एक एयरोसोल आवरण बनाते हैं जो सूर्य की रोशनी को वापस अंतरिक्ष में प्रतिबिंबित करता है, जिससे ग्रह ठंडा हो जाता है। जलवायु के पेड़ के छल्ले के रिकॉर्ड के साथ इन रासायनिक निशानों के बर्फ रिकॉर्ड का मिलान ठंडी गर्मी ज्वालामुखी विस्फोट से पहले हुई थी। एक विशाल विस्फोट शायद उत्तरी अमेरिका में टीम ने सुझाव दिया - 535 के अंत में या 536 की शुरूआत में हुआ; 540 में दूसरा आया। सिग्ल की टीम ने निष्कर्ष निकाला कि दोहरे झटके ने लंबे समय तक अंधेरे और ठंड को समझाया। ऐतिहासिक ग्रंथों के साथ संयुक्त एक उच्च-रिजॉल्यूशन वाला आइस कोर रिकॉर्ड यूरोपीय समाज पर प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव का वर्णन करता है। 536 के झरने की बर्फ में यूएम स्नातक छात्रा लौरा हार्टमैन को ज्वालामुखीय कांच के दो सूक्ष्म कण मिले। उनके रासायनिक फिंगरप्रिंट को निर्धारित करने के लिए एक्स-रे के साथ टुकड़ों पर बमबारी करके, उन्होंने और कुबातोव ने पाया कि वे यूरोप में झीलों और पीट बोग्स और ग्रीनलैंड आइस कोर में पहले पाए गए ग्लास कणों से काफी मेल खाते थे। बदले में वे कण आइसलैंड की ज्वालामुखीय चट्टानों से मिलते जुलते थे। रासायनिक समानताएं न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में वाइकाटो विश्वविद्यालय के भूवैज्ञानिक डेविड लोव को आश्वस्त करती हैं, जो कहते हैं कि स्विस बर्फ के कोर में कण संभवतः उसी आइसलैंडिक ज्वालामुखी से आए थे। लेकिन सिग्ल का कहना है कि उन्हें यह समझाने के लिए और सबूत की जरूरत है कि विस्फोट उत्तरी अमेरिका के बजाय आइसलैंड में हुआ था। किसी भी तरह से 536 में हवाएं और मौसम प्रणालियां पूरे यूरोप में विस्फोट के गुबार को दक्षिण-पूर्व में मार्गदर्शन करने के लिए बिल्कुल सही रही होंगी और बाद में एशिया में ज्वालामुखीय कोहरे के "घुलने" के कारण एक ठंडी लहर फैल गई। अगला कदम यूरोप और आइसलैंड की झीलों में इस ज्वालामुखी के और कणों को खोजने का प्रयास करना है, ताकि आइसलैंड में इसके स्थान की पुष्टि की जा सके और यह पता लगाया जा सके कि यह इतना विनाशकारी क्यों था। एक सदी बाद कई और विस्फोटों के बाद बर्फ का रिकॉर्ड बेहतर समाचार का संकेत देता है। चांदी को सीसा अयस्क से गलाया गया था, इसलिए सीसा एक संकेत है कि कीमती धातु की मांग उस अर्थव्यवस्था में थी जो झटके से उबर रही थी।

भारतीय जनता पार्टी घोसी उपचुनाव कार्यालय पर विश्वकर्मा समाज का सम्मेलन आयोजित किया गया

प्रखर पूर्वांचल, मऊ। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा चुनावी मुद्दा विकास का है वही सपा का एजेंडा और मकसद अपराधीकरण का है। घोसी की जनता वोट के दिन चमत्कार करके दारा सिंह चौहान को भारी मतों से विजई बनाएगी। अब तो हमारे सरकार के कार्यों की बदौलत सौ में पचहत्तर प्रसेंट हमारा है। एक एक वोट जो कमल पर पड़ेगा वह विकास की तरफ बढ़ते हुए हमारे कदम के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। सपा और अखिलेश के अहंकार को घोसी की जनता उनको भरपूर मजा चखाएगी। उत्तर प्रदेश की जनता ने 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को धुल चटाकर उनको परिणाम तक पहुंचा दिया वही हाल इस चुनाव में भी होगा । चुनाव के समय इनकी धमकी और गुंडागर्दी को प्रदेश वासियों ने खुद देखा। यह सकारात्मक परिवर्तन का युग चल रहा है,मोदी जी और योगी जी के योजनाओं का लाभ सीधे जनता को मिल रहा है,विपक्ष की भ्रष्टाचारी सरकार में सौ में पचासी प्रतिसत प्रसाद ऊपर ही बट जाती थी अब ऐसा नहीं है।

हमारी सरकार ने युवाओं महिलाओं बुजुर्गो छात्रों सभी के लिए अनेकों योजनाएं चला रखी है। मोदी जी की सरकार न खाऊंगा और न खाने दूंगा की परिपाटी पर काम कर रही है, बेईमान और उनके समर्थक बैचेन हैं। विपक्ष का गठबंधन मुद्दाविहीन है यह भ्रष्टाचारियों ने अपनी सुरक्षा के लिए बनाया है। प्रधानमंत्री जी ने भगवान विश्वकर्मा के नाम पर योजना चलाकर हजारों लोगों को लाभांवित किया है। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी के अहंकार और घमंड को आप सभी मिलकर चकनाचूर कर देंगे ऐसा मुझे पूरा विश्वास है। घोसी विधानसभा देश की राजनीति को नई दिशा और संदेश देगा। सपा के समर्थन से पलने वाले गुंडे और माफिया मटियामेट हो चुके हैं। हमारी सरकार सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास को लेकर चलती है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने एक देश और एक चुनाव को लेकर कदम उठाना शुरू कर दिया है। इससे देश के पैसे की बरबादी को रोका जा सकेगा, विपक्ष हताश और निराश है। उपमुख्यमंत्री ने अहवाहन किया की घोसी के मतदाता अर्जुन की तरह सिर्फ चिड़िया की आंख यानी अपना बूथ जितने पर पूरी ताकत लगा दें। इस अवसर पर घोसी विधानसभा के कोने कोने से आए विश्वकर्मा समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ की हुई बैठक, बनाई रणनीति

प्रखर पिंडरा वाराणसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले पिंडरा ब्लॉक के शिक्षको की एक आवश्यक बैठक शुक्रवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र पिंडरा पर हुई। जिसमें 18 सूत्री मांग के संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय वाराणसी पर 4 सितंबर को पुरानी पेंशन को लेकर होने वाले धरने के संबंध में चर्चा हुई तथा अधिक से अधिक अध्यापकों के धरने में शामिल होने के सम्बन्ध में प्रचार प्रसार करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष संजय सिंह ने किया। इस दौरान मंत्री ज्ञानेंद्र उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज सिंह, अच्छे लाल प्रजापति, जिया राम सरोज, प्रवीण कुमार पटेल, नवीन सिंह, पवन सिंह, कृष्णा जैसवार, प्रियंका शर्मा स्मृति मिश्रा, छोटू पाल समेत अनेक लोग रहे।

प्रदेश के नगर विकास एवं उर्जा मंत्री एके शर्मा ने मऊ की घोसी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान के पक्ष में प्रचार करते हुए युद्धस्तर पर जनसभाएं की

प्रखर पूर्वांचल मऊ। श्री शर्मा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी मा. बाबा साहब अंबेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। सामाजिक समरसता और बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की भावना उन्हें आदर्श में से एक है। मंत्री जी ने कहा कि भाजपा की विचारधारा है बाबा साहब अंबेडकर के विचारधारा के बिल्कुल नजदीक है, वहीं अन्य राजनीतिक दल उनके विपरीत है। मंत्री श्री शर्मा ने सपा पर हमला बोलते हुए है कहा कि सात पापों से बनी हुई है सपा, इनसे सावधान रहने कि जरूरत है। मंत्री श्री शर्मा ने घोसी उपचुनाव में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मा. प्रधानमंत्री जी का सबका साथ, सबका विकास की राजनीतिक रणनीति समाज के पिछड़े और कमजोर वर्गों के साथ है। वहीं दूसरी तरफ ऐसी ताकते हैं जो यहां चुनाव में उतरी हुई है, उनके काम सिर्फ अपनों का साथ और अपना विकास करना है। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि आजकल एक विशेष रूप से नया फ्रॉड गठबंधन बना हुआ है इं.डि.या., उसमें हम सिर्फ एक घटक की बात करेंगे जो इस चुनाव में हमारे सामने है। मंत्री श्री शर्मा ने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि बाबा साहब अंबेडकर, पं. दीनदयाल दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की विचारधारा के बिलकुल विपरीत है। मत्री जी ने कहा, आपने सुना ही होगा कि मानव शरीर को पांच तत्वों से बना हुआ है, छिति जल पावक गगन समीरा। पंच रचित अति अधम सरीरा वैसे ही आपने अपने संस्कारों में, अपनी संस्कृति में या भी सुना होगा कि अपने देश में सात नदियों की पूजा होती है जिनको सप्त सिन्धु कहते हैं, सात ऋषियों की पूजा होती हैं उन्हें सप्त ऋषि कहते हैं। सात रंगों की प्रधानता मानी जाती है जिन्हें सप्त रंग बोलते हैं। वैसे ही समाजवादी पार्टी जिन सात चीजों से बनी हुई है, उन्हें हम सप्त पाप भी कह सकते हैं। इन्हीं सात पापों से सपा (स+पा = सपा) बनीं हुई है। मंत्री श्री एके शर्मा ने समाजवादी पार्टी के पापों को गिनाते हुए जनता को आगाह किया कि अगर आपने इनका साथ दिया तो यही सात पापों के दम पर यह आपको विकास की मुख्य धारा से दूर कर देंगे।

प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में जनपद में 76937 महिलाओं को मिला फायदा

प्रखर मिजार्पुर। जनपद में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत मिलने वाली राशि अब दो किस्तों मिलने का ऐलान पहले ही किया जा चुका है। उसके बाद 2ण्0 अपलोड करने के लिए पोर्टल को शुरू कर दिया गया है और फार्म भरने की जिम्मेदारी अब जिले के आशाओं को दी गई है। पोर्टल के खुलते ही दूसरे जन्मे बच्ची पर भी अब पांच हजार दिये जाने की सुविधा उपलब्ध हो गई है। यह सुविधा पहले नही थी। यह जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर सी0एल0 वर्मा ने एक बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि हर गर्भवती के बेहतर स्वास्थ्य के लिए यह अति महत्वाकांक्षी योजना है। इससे लाभान्वित करने के लिए विभाग हर स्तर से प्रयास कर रहा है। जिले में यह योजना 1 जनवरी 2017 से संचालित है। जिले में 1 जनवरी 2017 से आज तक 76937 गर्भवती महिलाओं को लाभ पहुंचाया गया है। लेकिन अब इसको दूसरे जन्मे बच्ची पर भी लाभ अब दिया जायेगा। इसके लिए कुछ दिनों के पोर्टल बन्द कर दिया लेकिन अब उसको खोल दिया गया है और फार्म भरनेकी जिम्मेदारी अब आशाओं को दी गई उनका यूजर आईडी व पासवर्ड आते है उनको अगले सप्ताह प्रशिक्षण भी देने का कार्य किया जायेगा । इस आशय की जानकारी पत्र के माध्यम से विभाग के द्वारा एक से दो दिन के अन्दर सभी आशाओं व प्रभारी चिकित्साधिकारियों को सूचित कर दिया जायेगा। इस व्यवस्था के शुरू होने से जिले के नये लाभार्थी भी इस योजना से लाभान्वित हो सकेगे।

तीन किस्तों में मिलता है लाभ- नोडल अधिकारी व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर वी0के0 चौधरी ने बताया कि इस योजना केअंतर्गत प्रथम बार गर्भवती होने पर महिलाओं को उनके खातेमें सरकार द्वारा 5000 रुपये तीन किस्तों में दी जाती है। इसयोजना के तहत पहली बार गर्भधारण करने वाली महिला कोगर्भधारण के बाद रजिस्ट्रेशन कराने पर प्रथम किस्त के रुपमें एक हजार रुपये व दूसरी किस्त गर्भवती महिला को अपनीप्रसव पूर्व जांच हो जाने पर दो हजार रुपये व तीसरी किस्त प्रसव के उपरान्त बच्चे को सभी टीके लग जाने के साथ ही दो हजार रुपये दिए जाते है। लेकिन अब शासन स्तर से निर्देशित किया गया है कि अब यह दो किस्तो में ही भुगतान करने की व्यवस्था कर दी गई है।

हेल्पलाइन पर संपर्क कर योजना का लाभ पाएं- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ लेने के लिए प्रथमबार गर्भधारण करने वाली पात्र महिला लाभार्थी राज्य स्तर से जारी हेल्पलाइन न0 104 व क्षेत्रीय आशा एवं एएनएम से संपर्क करने और योजना का लाभ उठाएं। उन्होंनेबताया कि एक जनवरी 2017 से अब तक 76937 प्रथमबार गर्भवती होने वाली महिलाओं को योजना का लाभ मिलचुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का उद्देश्य गर्भावस्था प्रसव और स्तनपान के दौरान महिलाओं को जागरुक करनाऔर जच्चाण्बच्चा देखभाल और संस्थागत सेवा के उपयोग कोबढ़ावा देना महिलाओं को पहले छह महीनों के लिए प्रारंभिक और विशेष स्तनपान और पोषण प्रथाओं का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना। गर्भवती और स्तनपान कराने वालीमाताओं को बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के लिए बैंक द्वारानकद प्रोत्साहन प्रदान करना।

दस्तावेज आएंगे काम- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जिला कार्यक्रम सहायक विजय शंकर ने बताया कि आवेदन के लिए जरुरी दस्तावेज आधार कार्ड की फोटोकॉपी बैक या पोस्ट ऑफिस खाता की पासबुक आधार नंबर होने पर पहचान संबंधी पत्र जरूरी है। जिसके अंतर्गत पहली बार मां बनने वाली महिला व स्तनपान कराने वाली माता को उनके प्रथम बच्चे पर पांच हजार रुपए5000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती हैए जानकारीहेतु प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर तैनात आशा व एएनएम से सम्पर्क कर सकते है।

योजना की स्थिति- इस योजना के तहत वर्ष 2022ण्23 में कुल लाभार्थी 11118 है जिसको 74710000 का भुगतान किया गया। इसके साथ ही योजना में अब 76937 महिलाओं पर 318456000 का भुगतान किया गया है।

अपना दल एस ने की प्रदेश पदाधिकारियों की मंचो सूची जारी

प्रखर मिजार्पुर। केंद्रीय मंत्री एवं अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष व मिजार्पुर की लोकप्रिय सांसद श्रीमती अनुप्रिया पटेल के अनुमोदन से शुक्रवार को अपना दल एस के प्रदेश कार्यकारिणी के मंच के 209 पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी गई। सूची में मुख्य संगठन के विभिन्न मंचों के प्रदेश पदाधिकारियों की सूची में मिजार्पुर जनपद के आठ पदाधिकारियों को भी इस लिस्ट में शामिल किया गया है। केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि आप सभी पदाधिकारी निष्ठापूर्वक पार्टी को ही सर्वोपरी रखते हुए कार्य करेंगे। जनमानस को पार्टी की नीति एवं विचारधारा हेतु जागरूक करने में अपना अमूल्य योगदान देंगे। सभी को शुभकामनाएं।

राज्य पुरस्कार के लिए चयनित शिक्षक का हुआ सम्मान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। राज्य पुरस्कार की सूची में वाराणसी जिले से फूलपुर प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक का नाम आते ही पिंडरा विकास खण्ड के शिक्षकों में उत्साह के साथ खुशी की लहर दौड़ गई। उसी क्रम में शुक्रवार को बीआरसी मंगारी पर उक्त शिक्षक का स्वागत किया गया। राज्य पुरस्कार के लिए चयनित प्रधानाध्यापक डॉ कुँवर पंकज सिंह के नाम आने के बाद व 17 वर्षो बाद पुनः पिंडरा ब्लाक के किसी शिक्षक को पुरस्कार मिलने की घोषणा होने पर शुक्रवार को खंड शिक्षा अधिकारी देवी प्रसाद दुबे द्वारा बीआरसी मंगारी पर स्वागत किया गया। बीईओ ने कहाकि उक्त पुरस्कार से जहाँ पिंडरा ब्लॉक का मान बढ़ा, वही अन्य शिक्षकों का सम्मान भी बढ़ा। इससे शिक्षा का स्तर पहले से और मजबूत होगा। इस दौरान जितेंद्र सिंह, विनय सिंह, सुशील कुमार, विपिन पाण्डेय, विशाल कुमार, रोहित कुमार, पवन कुमार समेत बीआरसी के समस्त स्टॉप व शिक्षक उपस्थित रहे।

जिले में राष्ट्रीय पोषण माह शुरू, बच्चों को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए चलेगा अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए शुक्रवार को पोषण माह अभियान का शुभारंभ हुआ। यह अभियान 30 सितंबर तक चलेगा। अभियान के प्रभावशाली क्रियान्वयन के लिए जन आन्दोलन और सामुदायिक भागीदारी बेहद आवश्यक है। यह जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार पाण्डेय ने दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 से हर साल सितम्बर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाता है। इस बार अभियान में पोषण से सम्बन्धित समस्त कन्वर्जेन्स विभागों के समन्वय एवं समेकित प्रयासों से पोषण आधारित जीवन चक्र के महत्वपूर्ण चरणों जैसे गर्भावस्था, शैशवावस्था, बचपन व किशोरावस्था में पोषण के सम्बन्ध में जनजागरूकता लाने के लिए प्रचार-प्रसार तथा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष अभियान की मुख्य थीम "सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत" निर्धारित की गई है। पोषण अभियान के अन्तर्गत सुधार किये जाने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। अभियान के तहत मुख्य विकास अधिकारी

छह वर्ष से कम आयु के बच्चे, गर्भवती, स्तनपान कराने वाली धात्री माताओं तथा किशोरी बालिकाओं के पोषण स्तर में संतोष कुमार वैश्य के निर्देशन में समस्त कन्वर्जेन्स विभागों व पार्टनर संस्थाओं के साथ पोषण व स्वास्थ्य सम्बन्धी गतिविधियां वृहद स्तर पर आयोजित की जाएंग। उन्होंने बताया कि इस माह प्रमुख रूप से प्रभावी स्तनपान व सम्पूरक आहार, स्वस्थ बालक स्पर्धा, पोषण भी पढ़ाई भी, मिशन लाइफ के माध्यम से पोषण स्तर में सुधार, मेरी माटी-मेरा देश, जनजातीय केन्द्रित पोषण अभिमुखीकरण एवं एनीमिया स्तर में सुधार के लिए परीक्षण, उपचार व संवाद पर जोर दिया जाएगा। इन सभी थीम पर कार्य करने के लिए बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के साथ-साथ अन्य विभाग जैसे स्वास्थ्य, पंचायती राज विभाग, शिक्षा, खाद्य व रसद, कृषि व उद्यान विभाग, आयुष, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, ग्राम्य विकास विभाग की अहम भूमिका रहेगी।

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वस्थ बालक स्पर्धा, गृह भ्रमण व केन्द्र आधारित गतिविधियां, बच्चों व गर्भवतियों की नियमित जांच, वजन, उपचार व परामर्श, पोषण रैली आदि गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा विभाग के सहयोग से स्कूल केन्द्रित जन जागरूक पोषण व स्वास्थ्य वर्धक संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। ग्राम्य विकास विभाग, उद्यान विभाग व पंचायती राज विभाग के समन्वय व सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्र तथा सामुदायिक भूमि पर पोषण वाटिका को बढ़ावा दिया जाएगा। सोशन मीडिया प्लेटफॉर्म व अन्य माध्यमों के जरिये प्रचार-प्रसार पर जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही शिक्षकों, डॉक्टरों, किसानों, व्यापारियों आदि का भी सहयोग लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त पोषण माह के दौरान किये जा रहे कार्यक्रमों व गतिविधियों के फोटोग्राफ तथा वीडियो एवं उसका संक्षिप्त विवरण सहित नियमित रूप से जन आन्दोलन डैशबोर्ड पोषण अभियान पर अपलोड किया जाएगा। पोषण ट्रैकर एप्लीकेशन पर भी नियमित डाटा फीडिंग पर जोर दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

दीपशिखा पब्लिक स्कूल के बच्चों को दिलाई गई स्वच्छता की शपथ

प्रखर पटहेरवा, कुशीनगर। बच्चे देश का भविष्य हैं। यदि उनमें बचपन से ही स्वच्छता की महत्ता एवं उपयोगिता की समझ विकसित हो जाए तो वे बड़े होकर भी इसका अनुसरण करते रहेंगे। इसी तर्ज पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत विभिन्न परिषदीय, कॉन्वेंट स्कूलों में छात्र-छात्राएं सफाई रखने की शपथ ले रहे हैं। अभियान में प्राध्यापक, शिक्षक समेत समाज के सभी तबके के लोग शामिल हो रहे हैं। पटहेरवा स्थित दीपशिखा पब्लिक स्कूल में लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए प्रबन्धक पीसी गुप्ता ने बच्चों को शपथ दिलाई। उन्होंने उम्मीद जताई कि बच्चे स्वच्छता के संदेश को अपने घर, परिवार से लेकर समाज के लगभग प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाएंगे। शुक्रवार को स्कूल में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया। इसमें बच्चों को शपथ दिलाई गई कि वे अपने घर, विद्यालय व उसके आसपास के इलाके में न गंदगी करेंगे और न ही किसी को करने देंगे। बच्चों ने भी उत्साह के साथ संकल्प लिया कि उनके घर या स्कूल के रास्ते में कूड़ा दिखेगा तो वो साफ करने की कोशिश करेंगे। यदि कोई सार्वजनिक क्षेत्र में कूड़ा फेंकता दिखाई दिया तो उसे इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताएंगे। "हम शपथ लेते हैं कि आज से ही स्वच्छता को बढ़ावा देंगे। हम किसी भी प्रकार की गंदगी नहीं फैलाएंगे। यदि कोई गंदगी फैलाता हुआ मिला तो हम विनम्रतापूर्वक उसे ऐसा करने से रोकने का प्रयास करेंगे। उसे गंदगी से होने वाले नुकसान व स्वच्छता के फायदे के बारे में जानकारी देंगे। देश को स्वच्छ बनाने में हम अहम योगदान देंगे।'"

भाकियू प्रदेश अध्यक्ष के कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। दिन शुक्रवार को सुमंगलम लॉन अदलहाट मे भा कि यू मिजार्पुर की , प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा जी 4/09/2023 को विद्युत उप केन्द्र घरवाह, जमालपुर पावर हाउस पर क्षमता वृद्धि के मुद्दे पर किसान महा पंचायत मे आगमन के तैयारी संबंध मे विशेष बैठक किया गया , कल दिनांक 02/09/2023 को विद्युत उपकेन्द्र घरवाह पर भा कि यू का प्रतिनिधी मंडल स्थलीय निरीक्षण करेगा , बैठक में निम्न लोग उपस्थित रहें, प्रहलाद सिंह किसान प्रदेश महासचिव,कंचन सिंह फौजी जिला अध्यक्ष, वीरेंद्र सिंह जिला महासचिव, अवधेश नारायण सिंह जिला उपाध्यक्ष ,स्वामी दयाल सिंह जिला कोषाध्यक्ष, परशुराम मौर्य मंडल उपाध्यक्ष ,राम श्रृंगार सिंह पूर्वांचल सदस्य, विश्वनाथ सिंह जिला सचिव, पंचम सिंह, धर्मेंद्र सिंह ज़िला मीडिया प्रभारी, रामवृक्ष सिंह तहसील अध्यक्ष चुनार, ओम प्रकाश सिंह ब्लॉक अध्यक्ष नारायणपुर, रामप्यारे सिंह, घूरे प्रसाद बिंद ,गोरखनाथ सिंह, अवधेश कुमार सिंह, माधव सिंह, पारस नाथ सिंह, बचाऊ लाल, रामवृक्ष सिंह, अनन्त कुमार सिंह, महेन्द्र सिंह, प्रेमबहादुर , राजेन्द्र प्रसाद, आदि लोग रहे।

मेरी माटी—मेरा देश अभियान की तैयारी बैठक सम्पन्न

प्रखर मिजार्पुर। भारतीय जनता पार्टी बरौंधा कचार मीरजापुर के सभागार में भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह जी के अध्यक्षता में मेरी माटी—मेरा देश अभियान के अन्तर्गत बैठक सम्पन्न हुई । बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह आये हुए सभी जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चों के जिलाध्यक्ष एवं विभाग / प्रकोष्ठ के जिला संयोजकों का आभार व्यक्त किया तथा बताया कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश भर में मनाये जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव में मेरी माटी—मेरा देश अभियान के अन्तर्गत ब्लॉक, मंडल व ग्राम स्तर पर कार्यक्रम करना है । जिलाध्यक्ष जी ने बताया कि हर घर से मिट्टी संग्रह करना है, जिसे एक कलश में भरा जायेगा । साथ में प्रत्येक गांव में 75 पौधे लगाकर अमृत वाटिका बनाना है । ग्राम के सरकारी विद्यालय में मा0 प्रधानमंत्री जी के संदेश का शिला फलक लगवाना है तथा नगरीय क्षेत्रों के प्रत्येक वार्ड के हर घर से एक चुटकी चावल संग्रह करना है जिसे एक कलश में संग्रह करना है साथ में ब्लॉक के सभी गांव की मिट्टी को अमृत कलश को एकत्रित कर उनका एक कलश बनाना है । कार्यक्रम का संचालन जिलामंत्री / जिला कार्यक्रम सह संयोजक कौशल श्रीवास्तव ने किया । उक्त बैठक मेंअध्यक्ष जिला सहकारी बैंक लि0 जगदीश सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुन्दर केशरी, गौरव ऊमर,चन्द्रांशु गोयल हाथी मौजूद रहें।

हजरत मौलाना और इमाम की दुआ लेकर प्रोग्राम को कामयाब बनाने में जुटे शौकत अली मुन्ना

प्रखर जौनपुर। शहर की अग्रणी इस्लामिक संस्था मरकजी सीरत कमेटी के एक प्रतिनिधि मंडल ने आज मोहल्ला मुल्ला टोला पहुंचकर हजरत मौलाना हसनैन साहब से मुलाकात की और आगामी त्योहार जश्ने ईद मिलादुल नबी के उपलक्ष में हजरत मौलाना से राय मशवरा किया, इसके बाद प्रतिनिधि मंडल ने हजरत मौलाना अल्हाज हस्शाम जाफरी साहब मोहतमिम मदरसा हं ?फीया से मिलकर उनसे भी सलाह मशवरा कर आगे की अपनी रणनीति बनाई,ताकि कार्यक्रम को सुचारू रूप से सबके संरक्षक में मनाया जा सके।प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से सद्दाम हुसैन,असीम मछलीशहरी ,साजिद अलीम,शाहनवाज खान,रियाजुद्दीन अल्वी ,शोएब पठान, शहाबुद्दीन विधार्थी,सरताज सिद्दीकी,रियाजुल,इकराम सौदागर ,शकील माज राइनी,जफर मसूद,फिरोज कुरेशी, शोबी ताज कादरी,हाजी सैय्यद फरोग,कमालुद्दीन अंसारी, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

एनसीसी सर्टिफिकेट होल्डर्स को सेना भर्तियों में मिलती हैं विशेष छूट

एनसीसी को राष्ट्रीय कैडेट कोर के नाम से जाना जाता है। यह हमारे देश का एक ऐसा संगठन है जो स्कूल से लेकर विश्वविद्यालयों तक छात्र-छात्राओं को सैन्य प्रशिक्षण प्रदान करने का काम करता है। स्टूडेंट्स को यह प्रशिक्षण इसलिए प्रदान किया जाता है ताकि भविष्य में किसी आकस्मिक जरूरत के समय इनका सहयोग लिया जा सके। इस संगठन में देश की तीनों सेनाएं- जल सेना, थल सेना एवं वायु सेना शामिल होते हैं। इस संगठन में स्टूडेंट्स अपनी स्वेच्छा से शामिल होते हैं। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद स्टूडेंट्स को एनसीसी की ओर से सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है जो सेना भर्ती सहित अन्य नौकरियों में छूट प्रदान करता है।

एनसीसी सर्टिफिकेट प्राप्त करने के बेनिफिट्स

एनसीसी में शामिल होने पर आपको बहुत से फायदे मिलते हैं। एनसीसी में शामिल होने पर ट्रेनिंग पूरी होने के बाद स्टूडेंट्स को एक सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है। इस सर्टिफिकेट से एनसीसी वाले उम्मीदवारों को सेना, पुलिस सहित अन्य सरकारी नौकरियों में छूट प्रदान की जाती है। कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में एडमिशन के समय NCC सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को छूट मिलती है। इसके अलावा आगे की पढ़ाई के लिए एनसीसी में शामिल हो चुके अभ्यर्थियों को स्कॉलरशिप भी प्रदान की जाती है।

क्या एनसीसी और आर्मी एक ही है?

आपको बता दें कि एनसीसी और आर्मी दोनों ही अलग हैं। एनसीसी को स्कूल कॉलेज में पढ़ने के दौरान कोई भी स्टूडेंट्स अपने स्वेच्छा के अनुसार ले सकता है, वहीं आर्मी में शामिल होने के लिए इंडियन आर्मी की ओर से भर्ती निकालकर अभ्यर्थियों को चयनित किया जाता है। लेकिन जो उम्मीदवार एनसीसी में B एवं C सर्टिफिकेट धारक होते हैं उनको तीनों सेनाओं में भर्ती के समय विशेष छूट प्रदान की जाती है। कई विभागों में विशेषकर एनसीसी एंट्री स्कीम के तहत भर्ती निकाली जाती हैं। ●

किसी भी मीटिंग को अटेंड करने से पहले रखें कुछ बातों को याद

हमेशा समय पर रहें

समय की पाबंदी के महत्व पर पर्याप्त बल नहीं दिया जा सकता। देर से पहुंचने से न केवल बैठक का प्रवाह बाधित होता है बल्कि यह संदेश भी जाता है कि आप अपने सहकर्मियों के समय को महत्व नहीं देते हैं। कुछ मिनट पहले पहुंचने का ध्यान रखें, खुद को व्यवस्थित होने का समय दें और आगे की चर्चाओं के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें।

एजेंडा को जानें

एजेंडा जाने बिना किसी बैठक में जाना बिना मानचित्र के यात्रा शुरू करने जैसा है। जिन विषयों को कवर किया जाएगा और जो भी सामग्री साझा की जा सकती है, उससे पहले से ही परिचित हो जाएं। यह आपको सार्थक योगदान देने और प्रासंगिक प्रश्न पूछने, मीटिंग को सही दिशा में ले जाने की अनुमति देगा।

भाग लें और योगदान दें

बैठकें एकतरफा मामला नहीं हैं - उनमें उपस्थित सभी लोगों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है। अपनी अंतर्दृष्टि, विचार और राय साझा करने में संकोच न करें। चर्चा में शामिल होने से न केवल मूल्य बढ़ता है बल्कि एक सहयोगी माहौल को भी बढ़ावा मिलता है जहां विविध दृष्टिकोण पनप सकते हैं।

विषय पर टिके रहें

चर्चाओं का पटरी से उतरना और समय बर्बाद करने वाले मुद्दों में बदलना आसान है। हालांकि कुछ हद तक लचीलापन आवश्यक है, फिर भी सुनिश्चित करें कि बातचीत एजेंडे के अनुरूप रहे। यदि चर्चा भटकने लगे तो विनम्रतापूर्वक उसे वापस रास्ते पर लाएं, जिससे बैठक अपने उद्देश्यों को कुशलतापूर्वक प्राप्त कर सके।

एकाधिकार से बचें

हालांकि आपके विचार मूल्यवान हैं, लेकिन स्पॉटलाइट साझा करना आवश्यक है। बातचीत पर एकाधिकार जमाने से बचें, क्योंकि इससे अन्य प्रतिभागियों को दरकिनार महसूस हो सकता है। अपने योगदान को संक्षिप्त और सटीक रखें, जिससे दूसरों को भी अपने विचार व्यक्त करने का मौका मिले।

उपकरणों को साइलेंट पर रखें

आज के डिजिटल युग में मीटिंग के दौरान लैपटॉप और स्मार्टफोन का मौजूद रहना आम बात है। हालांकि, प्रौद्योगिकी का उपयोग सोच-समझकर करना महत्वपूर्ण है। सूचनाओं से होने वाले व्यवधान से बचने के लिए अपने डिवाइस को साइलेंट मोड पर रखें। अपने सहकर्मियों और बैठक के उद्देश्य के प्रति सम्मान दिखाते हुए, चर्चा पर अपना पूरा ध्यान दें। ●

बच्चों के दिमाग को तेज बनाती है अबेकस

संज्ञानात्मक विकास के क्षेत्र में, अबेकस एक उल्लेखनीय उपकरण के रूप में खड़ा है, जो युवा शिक्षार्थियों के लिए कई लाभ प्रदान करता है। मानसिक गणित और अंकगणित की दुनिया में उतरकर, बच्चे कई लाभ प्राप्त कर सकते हैं जो उनके समग्र विकास में योगदान करते हैं। नीचे, हम छह अनिवार्य कारणों का पता लगाते हैं कि क्यों बच्चों को अबेकस सीखने में शामिल होना चाहिए, ऐसे कौशल को बढ़ावा देना चाहिए जो सरल गणनाओं से कहीं आगे तक फैला हो।

अबेकस सीखना विभिन्न संज्ञानात्मक क्षमताओं को संलग्न करता है, महत्वपूर्ण सोच, एकाग्रता और स्मृति प्रतिधारण को उत्तेजित करता है। जैसे ही युवा दिमाग गणित की समस्याओं को हल करने के लिए अबेकस मोतियों का उपयोग करते हैं, वे मस्तिष्क के दोनों गोलार्धों को सक्रिय करते हैं। यह सिंक्रनाइज़ सक्रियण तंत्रिका कनेक्शन को बढ़ाता है, अंततः तेज संज्ञानात्मक क्षमताओं को बढ़ावा देता है।

मजबूत मूलभूत गणित कौशल विकसित करना

अबेकस में महारत हासिल करना गणितीय दक्षता के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है। अबेकस के व्यावहारिक हेरफेर के माध्यम से, बच्चे जोड़, घटाव, गुणा और भाग की बुनियादी अवधारणाओं को समझते हैं। ये व्यावहारिक बातचीत अमूर्त गणितीय सिद्धांतों को मूर्त और समझने योग्य सिद्धांतों में बदल देती है।

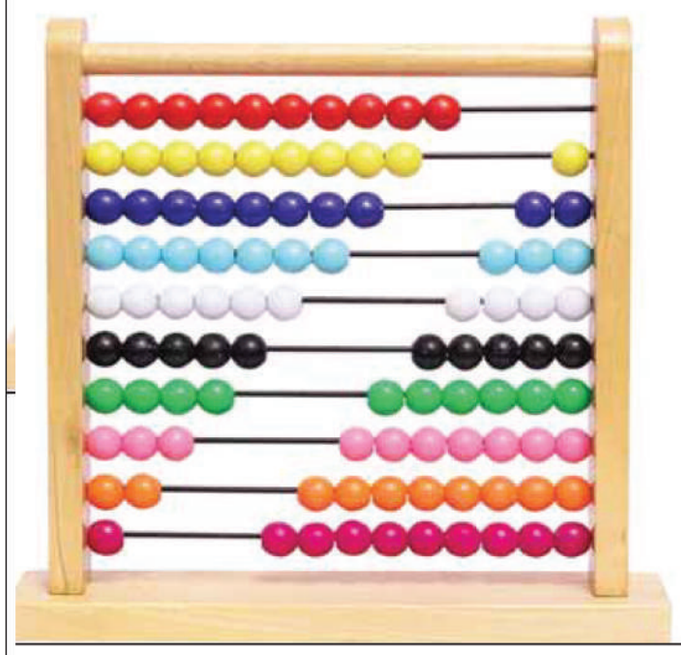

मानसिक गणना कौशल में तेजी लाना

अबेकस सीखना बच्चों को जटिल मानसिक गणनाएं तेजी से और सटीक रूप से करने में सक्षम बनाता है। अपने दिमाग में अबेकस की कल्पना करके, शिक्षार्थी कुशल समस्या समाधानकर्ता के रूप में विकसित होते हैं जो जटिल गणितीय परिदृश्यों को मानसिक रूप से संसाधित कर सकते हैं। यह कौशल न केवल आत्मविश्वास बढ़ाता है बल्कि उन्हें व्यावहारिक जीवन कौशल से भी सुसज्जित करता है।

एकाग्रता और फोकस का पोषण करना

अबेकस अटूट ध्यान और एकाग्रता की मांग करता है। जैसे-जैसे बच्चे अंकगणित की समस्याओं को हल करने पर काम करते हैं, वे विकर्षणों को दूर करना सीखते हैं और हाथ में लिए गए कार्य में पूरी तरह से डूब जाते हैं। यह संवर्धित फोकस गणित से परे फैलता है, जिससे विभिन्न विषयों और गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने की उनकी क्षमता बढ़ती है।

आत्मविश्वास और शैक्षणिक प्रदर्शन

अबेकस सीखने में सफलता आत्म-आश्वासन को बढ़ाती है। जैसे-जैसे बच्चे चुनौतियों पर विजय पाते हैं और अपनी प्रगति देखते हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। यह नया आत्म-विश्वास अन्य शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रवेश करता है, जिससे उन्हें उत्साह के साथ विषयों से निपटने और अपनी शैक्षिक यात्रा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा मिलती है।

सीखने के प्रति प्रोत्साहित करना

अबेकस के साथ जुड़ने से सीखने के साथ सकारात्मक जुड़ाव को बढ़ावा मिलता है। बच्चों में नई अवधारणाओं का पता लगाने और बौद्धिक बाधाओं पर विजय पाने की आंतरिक प्रेरणा विकसित होती है। सीखने के प्रति यह उत्साह एक आजीवन गुण बन जाता है, जो शिक्षा और व्यक्तिगत विकास के प्रति उनके दृष्टिकोण को आकार देता है।

अबेकस लाभ को अपनाएं

तेजी से विकसित हो रही दुनिया में, बच्चों को बहुमुखी कौशल से लैस करना सर्वोपरि है। अबेकस संज्ञानात्मक क्षमताओं को बढ़ाते हुए गणितीय दक्षता को बढ़ावा देने के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण प्रदान करता है। सीखने के प्रति प्रेम जगाने से लेकर मानसिक चपलता को बढ़ावा देने तक, अबेकस सीखना अपने लाभों को संख्याओं के दायरे से कहीं आगे तक फैलाता है। माता-पिता और शिक्षक के रूप में, अबेकस शिक्षा के महत्व को पहचानने से हमें शिक्षा और जीवन दोनों में बच्चों की सफलता का मार्ग प्रशस्त करने में मदद मिलती है। ●

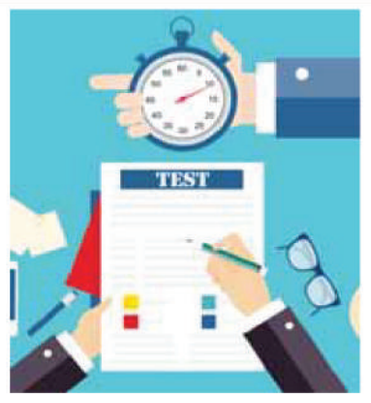

साइकोमीट्रिक टेस्ट की मदद से ऐसे करें सही करियर का चुनाव

जब बात आती है सही करियर के चुनाव की तो ज्यादातर काउंसलर स्टूडेंट्स को उनके इंटेरेस्ट एरिया और बेस्ट कर रहे सब्जेक्ट्स को चुनने की सलाह देते हैं। हालांकि, यदि इसमें साइकोमीट्रिक टेस्ट के रिजल्ट्स को भी जोड़ दिया जाए तो किसी भी स्टूडेंट के लिए सही करियर ऑप्शन चुनने में और भी बेहतर मदद मिल सकती है। साइकोमीट्रिक टेस्ट स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स को किसी भी करियर के लिए जरूरी स्किल को अपने स्किल से मैच करने में हेल्प करता है। ऐसे में यदि आपको नहीं पता है कि आपके लिए बेस्ट करियर कौन सा है तो इसके लिए साइकोमीट्रिक टेस्ट की मदद ले सकते हैं।

साइकोमीट्रिक टेस्ट के दौरान पूछे गए सवालों के स्टूडेंट्स द्वारा दिए गए जवाब के आधार पर उनके स्ट्रेंथ और वीकनेस के साथ-साथ उनके इंटेरेस्ट का पता लगाया जाता है। साइकोमीट्रिक टेस्ट को ज्यादातर स्कूल अपने-अपने स्टूडेंट्स के लिए 7-8वीं कक्षा के दौरान आयोजित करते हैं ताकि वे सेकेंड्री और आगे सीनियर सीनियर सेकेंड्री स्तर पर सही स्ट्रीम का चुनाव कर सकें। वहीं स्कूलिंग के बाद स्टूडेंट्स हायर एजुकेशन के लिए भी तमाम ऑनलाइन साइकोमीट्रिक टेस्ट को अटेम्प्ट करके अपने लिए बेस्ट करियर ऑप्शंस को जाना जा सकता है।

इस तरह करता है मदद

स्टूडेंट्स करियर के चुनाव से लेकर किसी भी करियर में वर्किंग प्रोफेशनल्स के करियर डेवेलपमेंट के लिए साइकोमीट्रिक टेस्ट काफी जरूरी बन गया है। साइकोमीट्रिक का अर्थ है मानसिक मापन, यानी इस टेस्ट में साइक्लॉजी, स्किल, एप्टीट्यूड, रीजनिंग, न्यूमेरिकल, आदि से सम्बन्धित प्रश्न होते हैं, जिनके उत्तर स्टूडेंट्स को देने होते हैं। इसके अतिरिक्त साइकोमीट्रिक टेस्ट में पर्सनालिटी टेस्ट को भी शामिल किया जाता है, जिसमें ग्रुप डिस्कशन, इंटरव्यू आदि हो सकते हैं। ●

किसी अच्छे कॉलेज में नहीं हुआ एडमिशन तो ये हैं ऑप्शन

इस समय एडमिशन का दौर चल रहा है। स्टूडेंट्स ने बहुत से कॉलेजों में एडमिशन के लिए आवेदन किया है। हालांकि ऐसे में कई बार ये भी होता है कि कैंडिडेट्स को उनके मन के या अच्छे कॉलेज में एडमिशन नहीं मिल पाता। अगर आपके साथ ही ऐसा हुआ हो तो परेशान न हों और इन ऑप्शंस पर नजर डालें। ये कुछ विक्लप आप चुन सकते हैं। आज हम जिन ऑप्शंस की बात कर रहे हैं वो मुख्य तौर पर साइंस स्टूडेंट्स के लिए हैं।

पीसीएम वाले

अगर साइंस में भी आपके पास मैथ्स विषय रहे हैं तो आप इन कोर्सेस का चुनाव कर सकते हैं। ये कोर्स फिजिक्स, स्टेटिस्टिक्स, आर्किटेक्चर, केमिस्ट्री, मर्चेंट नेवी और फॉरेंसिक साइंस में किए जा सकते हैं।

डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं

एक ऑप्शन ये है कि आप बैचलर्स कोर्स न करके कोई डिप्लोमा कोर्स चुन लें। साइंस स्टूडेंट्स जिन एरिया में डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं, वे इस प्रकार हैं।

-इंडस्ट्रियल सेफ्टी
-पॉलिटेक्निक
-योग
-कंप्यूटर एप्लीकेशन
-नर्सिंग
-रेडियोलॉजी
-मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी
फिजियोथेरेपी
-न्यूट्रीशन एंड डायटिक्स
-चाइल्ड हेल्थ
-एक्स- रे टेक्नोलॉजिस्ट

ये बैचलर कोर्स भी हैं ऑप्शन

साइंस से बारहवीं करने के बाद अगर आप डिप्लोमा नहीं करना चाहते और बैचलर कोर्स ही चुनना चाहते हैं तो ये ऑप्शन हैं।

बीएससी आईटी
बीएससी फिजिक्स
बीएससी केमिस्ट्री
बीएससी एग्रीकल्चर
बीएससी इलेक्ट्रॉनिक्स
बीएससी फॉरेस्ट्री
बीएससी होटल मैनेजमेंट
बीएससी बायोटेक्नोलॉजी

ये कोर्स कॉमन नहीं हैं इसलिए इनमें कम संख्या में कैंडिडेट्स अप्लाई करते हैं। ऐसे में आप इन कोर्सेस में एडमिशन पा सकते हैं।

ये फील्ड भी ज्वॉइन कर सकते हैं

अगर आप चाहें तो ये कुछ फील्ड और पद हैं जिन्हें ज्वॉइन कर सकते हैं। इनके इंस्टीट्यूट भी अलग होते हैं और सेलेक्शन का तरीका भी फर्क होता है। यहां बड़ी संख्या में कैंडिडेट्स नहीं होते और आप अपनी काबलियत की दम पर एडमिशन पा सकते हैं। ●

GENERAL KNOWLEDGE

- यदि आपके एक हाथ में तीन सेब और चार संतरे हैं और दूसरे हाथ में चार सेब और तीन संतरे हैं, तो आपके पास क्या होगा?
उत्तर- आपके पास बहुत बड़े हाथ होंगे।
- शरीर का कौन सा अंग जन्म के बाद आता है और मृत्यु से पहले ही चला जाता है?
उत्तर- दांत ही वो अंग हैं जो जन्म के बाद आते हैं और मृत्यु से पहले ही चले जाते हैं।
-वह क्या है जिससे जितना काम लेते हैं वह उतना ही बड़ा होता जाता है?
उत्तर- इंसान के दिमाग से जितना काम लेते हैं वह उतना ही बड़ा होता जाता है।
- डिस्ट्रिक्ट गजेटियर क्या होता है?
उत्तर- ब्रिटिश काल में इसे हर साल तैयार किया जाता था, इसमें पूरे जिले के रिकॉर्ड रखे जाते थे।
- भारत की कौन सी पंचवर्षीय योजना में खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग की स्थापना की गई थी?
उत्तर- भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना में खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग की स्थापना की गई थी।
- आखिर वह कौन सी चीज है जब वो डूबती है तो उसे बचाने के लिए कोई नहीं जाता?
उत्तर- सूरज जब डूबता है तो उसे बचाने के लिए कोई नहीं जाता।
-किस फूल का वजन 10 किलो होता है?
उत्तर- रेफ्लेसिया के फूल का वजन 10 किलो तक होता है।
-ऐसा कौन सा पक्षी है जो पत्थर खाता है?
उत्तर- शुतुरमुर्ग ऐसा पक्षी है जो पत्थर खाता है।
- इंसान का दिल 1 मिनट में कितनी बार धड़कता है?
उत्तर- इंसान का दिल 1 मिनट में 72 बार धड़कता है।
- किस जीव का दिल उसके सिर में होता है?
उत्तर- झींगा मछली का दिल उसके सिर में होता है।
- यदि आपके एक हाथ में तीन सेब और चार संतरे हैं और दूसरे हाथ में चार सेब और तीन संतरे हैं, तो आपके पास क्या होगा?
उत्तर- आपके पास बहुत बड़े हाथ होंगे।
- शरीर का कौन सा अंग जन्म के बाद आता है और मृत्यु से पहले ही चला जाता है?
उत्तर- दांत ही वो अंग हैं जो जन्म के बाद आते हैं और मृत्यु से पहले ही चले जाते हैं।
-वह क्या है जिससे जितना काम लेते हैं वह उतना ही बड़ा होता जाता है?
उत्तर- इंसान के दिमाग से जितना काम लेते हैं वह उतना ही बड़ा होता जाता है।
- डिस्ट्रिक्ट गजेटियर क्या होता है?
उत्तर- ब्रिटिश काल में इसे हर साल तैयार किया जाता था, इसमें पूरे जिले के रिकॉर्ड रखे जाते थे।
- भारत की कौन सी पंचवर्षीय योजना में खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग की स्थापना की गई थी?
उत्तर- भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना में खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग की स्थापना की गई थी।

सितम्बर में इतने दिन बंद रहेंगे स्कूल

बच्चे चाहें स्कूल जाने वाले हों या फिर कॉलेज सभी को बेसब्री से छुट्टियों का इंतजार रहता है। सितम्बर माह की बात करें तो इस महीने में रविवार मिलकर कुल सात छुट्टियां मिलेंगी। जबकि राजधानी दिल्ली में बच्चों को तीन दिन की और छुट्टियां मिलेंगी।

बता दें कि सितंबर माह में तीन सितम्बर दिन रविवार को छुट्टी रहेगी। इसके अलावा 7 सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर स्कूल बंद रहेंगे। इसके अलावा 10 सितंबर और 17 सितंबर को रविवार होने चलते अवकाश रहेगा। इसके साथ 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी का अवकाश रहेगा। जबकि 24 सितंबर को रविवार है वहीं, 28 सितंबर को ईद ए मिलाद के अवसर पर स्कूलों में अवकाश रहेगा। छुट्टियों सम्बंधित जानकारी के लिए छात्र-छात्राएं स्कूलों का कैलेंडर चेक कर सकते हैं।

जी 20 समिट के चलते छुट्टियां

वहीं, देश की राजधानी दिल्ली की बात करें तो सितंबर माह में छुट्टियों के अलावा भी तीन दिन स्कूल बंद रहेंगे। राजधानी में छुट्टियां 8 से लेकर 10 सितंबर 2023 के बीच रहेंगी। ये छुट्टियां दिल्ली में होने वाले जी 20 समिट के चलते होंगी। जी 20 समिट की वजह से स्कूल, कॉलेज बंद करने का आदेश दिया गया है। निर्देश के अनुसार स्कूल पूरी तरह बंद रहेंगे। जबकि कॉलेज चाहें तो ऑनलाइन क्लास चला सकते हैं। G20 सदस्यों के दल में हजारों लोग शामिल होंगे, इसलिए सरकार ने शहर भर में सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तैयारी की है। G20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, चीनी प्रधानमंत्री शी जिनपिंग, कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सहित कई राष्ट्राध्यक्षों और राजनयिकों के भाग लेने की उम्मीद है। ●

फिलीपीन्स में घर में लगी आग से 15 लोगों की मौत

मनीला, (एजेंसी)। फिलीपीन्स की राजधानी मनीला में गुरुवार को एक मकान में आग लगने से 15 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी फिलीपीन्स सरकार के अग्नि सुरक्षा ब्यूरो ने दी। ब्यूरो ने कहा कि स्थानीय समयानुसार आज सुबह लगभग 5:30 बजे आग लगी जिसमें तीन अन्य लोग सुरक्षित बच गए। आग पर दमकलकर्मियों ने लगभग तीन घंटे बाद काबू पाया। पीड़ितों में क्वेजोन सिटी में रहने वाले परिवार के सदस्य और श्रमिक शामिल हैं।

एयर कमोडोर मनोज ने बेंगलुरु की कमान संभाली

बेंगलुरु, (एजेंसी)। एयर कमोडोर मनोज कुमार ने गुरूवार को एक भव्य समारोह में इक्विपमेंट डिपो बेंगलुरु की कमान संभाली। कमोडोर कुमार ने एयर कमोडोर राजेश भंडारी का स्थान ग्रहण किया। श्री भंडारी को एयर वाइस मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया है। वह एक सितंबर को नयी दिल्ली में वायु सेना मुख्यालय में सहायक वायु सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। एयर कमोडोर मनोज कुमार को 17 दिसंबर 1988 को भारतीय वायु सेना की लॉजिस्टिक्स शाखा में नियुक्त थे। उन्होंने कई प्रमुख फील्ड और स्टाफ नियुक्तियों पर काम किया है और एयर फोर्स स्टेशन नई दिल्ली में वरिष्ठ रसद अधिकारी रहे हैं।

औरंगाबाद में तालाब में 5 मासूमों की डूबने से मौत

औरंगाबाद, (एजेंसी)। बिहार के औरंगाबाद जिले के सतैया थाना क्षेत्र में गुरुवार को तालाब में डूबकर पांच बच्चों की मौत हो गई। अनुमंडल पदाधिकारी विजयंत ने यहां बताया कि सोनारचक गांव में तालाब में स्नान करने के दौरान पांच बच्चों की डूबकर मौत हो गई। मृतकों की पहचान सोनारचक गांव निवासी अनुज यादव के 11 वर्षीय पुत्र शुभम उर्फ गोलू कुमार, उदय यादव के 12 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार, 10 वर्षीय पुत्र धीरज कुमार, सुखेंद्र यादव के 12 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार एवं योगेंद्र यादव के 12 वर्षीय पुत्र अमित कुमार के रूप में की गई है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को तालाब से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

चीन ने साओला तूफान के लिए किया रेड अलर्ट जारी

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने गुरुवार को साओला तूफान के मद्देनजर देश में रेड अलर्ट जारी किया। चार स्तरीय तूफान चेतावनी प्रणाली में यह सबसे गंभीर चेतावनी है। देश में इस साल के नौवें तूफान को देखते हुए दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में तूफान और भारी बारिश होने का अनुमान है। वेधशाल ने एक बयान में कहा कि यह तूफान गुरुवार को सुबह पांच बजे दक्षिण चीन के गुआंग्डोंग प्रांत के हुइलाई काउंटी से लगभग 330 किमी दक्षिणपूर्व में समुद्र के ऊपर उठा। तूफान के धीरे-धीरे 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की उम्मीद है। राष्ट्रीय वेधशाला ने कहा कि तूफान से शुक्रवार दोपहर या रात को हुइलाई से हांगकांग तक फैले तटीय इलाकों में कहीं भूस्खलन हो सकता है।

जोहानसबर्ग में आग से मृतक संख्या 76 पहुंची

जोहानसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी जोहानसबर्ग में एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने से मृतकों की संख्या बढ़कर 76 हो गई, जबकि 52 अन्य लोग घायल हैं। यह जानकारी जोहानसबर्ग आपातकालीन प्रबंधन सेवाओं के प्रवक्ता रॉबर्ट मलाउदज़ी ने गुरुवार को दी। इससे पहले दिन में जोहानसबर्ग की एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 52 अन्य लोग घायल हो गये या झुलस गए। श्री मलाउदज़ी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि ताजा सूचना के अनुसार 63 शव बरामद हो चुके हैं और 52 लोग घायल हैं और राहत-बचाव अभियान जारी है। श्री मलाउदज़ी ने कहा था कि आग पर काबू प्राप्त कर लिया गया है।

आज का इतिहास

- **1807:** अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति आरोन बर्र राजद्रोह के मामले में निर्दोष पाए गए।
- **1878:** एम्मा एम नट्ट अमेरिका में पहली महिला टेलीफोन ऑपरेटर बनीं।
- **1923:** ग्रेट कैंटो भूकंप ने जापान के टोक्यो और योकोहामा में भयंकर तबाही मचाई।
- **1939:** जर्मनी का पोलैंड पर आक्रमण करने के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत हुई।
- **1947:** भारतीय मानक समय को अपनाया गया।
- **1956:** भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की स्थापना हुई।
- **1956:** राज्यों के पुनर्गठन के बाद त्रिपुरा केंद्र शासित प्रदेश बना।
- **1962:** महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शिवाजी विश्वविद्यालय की स्थापना।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने भुवनेश्वर की उड़ान को दिखाई हरी झंडी

उत्केला हवाई अड्डे का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने गुरुवार को ओडिशा में उत्केला हवाई अड्डे का उद्घाटन किया तथा उत्केला से भुवनेश्वर के बीच सीधी उड़ान का हरी झंडी दिखाई। इस नए हवाई अड्डे से इंडियावन एयरलाइन गुरुवार 31 अगस्त से इस रूट पर उड़ानें शुरू की। इसके लिए कंपनी उड़ान योजना के तहत स्वीकृत 9-सीटर सेसना सी-208 विमान का उपयोग करेगी। उद्घाटन कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित किया गया जिसमें नागरिक उड्डयन मंत्रालय के राज्य मंत्री जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) उपस्थित थे।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार उत्केला हवाई अड्डे का स्वामित्व ओडिशा सरकार के पास है इसे केंद्र की उड़ान योजना के तहत रुपये की लागत से एक क्षेत्रीय हवाई अड्डे के रूप में 31.07 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। उत्केला हवाई अड्डे का रन-वे 917 मीटर लंबा और 30 मीटर चौड़ा है। इसके चालू होने से राज्य में अब पांच हवाईअड्डे हो गए हैं। श्री सिंधिया ने कहा कि उत्केला से भुवनेश्वर तक सड़क मार्ग से यात्रा में लगभग आठ घंटे समय लगता है। यह दूसरी विमान से एक घंटे बीस मिनट में तय की जा सकेगी। यह कालाहांडी क्षेत्र के लिए एक नई शुरुआत होगी क्योंकि आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और रोजगार के कई अवसर पैदा होंगे।

80वां वार्षिक वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

80वां वार्षिक वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव बुधवार शाम को इटली में शुरू हुआ, जिसमें प्रतिष्ठित गोल्डन लायन पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली फिल्मों की एक विविध श्रृंखला शामिल थी। इटली के वेनिस में 80वें वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के रेड कार्पेट पर जूरी अध्यक्ष डेमियन चेजेल और अभिनेत्री ओलिविया हैमिल्टन शामिल हुए। इस दौरान जूरी सदस्य वेनिस फिल्म महोत्सव के निदेशक अल्बर्टो बारबेरा (प्रथम दाएं) और बिएननेल के अध्यक्ष रॉबर्टो सिकुट्टो (प्रथम बाएं) के साथ पोज देते हुए।

भारत-अमेरिका मिलकर बनाएंगे फाइटर जेट इंजन

अमेरिकी संसद की मंजूरी, भारत को ट्रांसफर होगी 80 फीसदी टेक्नोलॉजी

नई दिल्ली

अमेरिकी संसद ने भारत और अमेरिका के बीच हुई फाइटर एयरक्रॉफ्ट इंजन की डील को मंजूरी दे दी है। भारत की हिंदुस्तान ऐयरोनॉटिक्स लिमिटेड और अमेरिका की जीई ऐयरोस्पेस के बीच साथ मिलकर फाइटर जेट के इंजन बनाने को लेकर एग्रीमेंट हुआ था। इस डील को मंजूरी मिलने से दोनों देशों के बीच स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप और मजबूत होगी।

जून में पीएम नरेंद्र मोदी की स्टेट विजिट के दौरान भारत और अमेरिका के बीच इस डील पर सहमति बनी थी। अब बाइडेन सरकार को डील को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी संसद ने भी मंजूरी दी है। इस डील के तहत अमेरिका ने भारत के साथ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, जेट इंजन का निर्माण और लाइसेंस का एग्रीमेंट किया था।

इसके बाद भारत लड़ाकू विमानों की संख्या को तेजी से बढ़ाएगा

जीई एयरोस्पेस कंपनी एफ-414 फाइटर जेट इंजन के निर्माण के लिए अपनी 80 प्रतिशत तकनीक भारत को ट्रांसफर करेगी। इस टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का मकसद हल्के लड़ाकू विमान की क्षमताओं को बढ़ाना है। ये लड़ाकू इंजन तेजस मार्क-2 के लिए बनाए जाएंगे। मार्क-2 तेजस का एडवांस मॉडल है और इसमें जीई-एफ414 इंजन लगना है। इस साझेदारी को एचएएल के चीफ सीवी अनंतकृष्णन ने बड़ा गेम चेंजर माना है, क्योंकि यह भविष्य के स्वदेशी इंजनों के लिए आधार बनेगा जो सैन्य जेट को ताकत देंगे। सौदे के तहत 99 जेट इंजनों का निर्माण किया जाएगा, जो टेक्नोलॉजी ट्रांसफर होने की वजह से कम महंगे होंगे। एफ-414 इंजन अपनी विश्वसनीयता और प्रदर्शन के लिए मशहूर हैं। जीई एयरोस्पेस, कंपनी चार दशकों से भारत में काम कर रही है। इस डील के मंजूरी मिलने के बाद अब कंपनी को इंजन बनाने, एविओनिक्स, सेवाएं, इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग और स्थानीय सोर्सिंग को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस तरह की डील से भारत की जेट प्रोडक्शन की क्षमता भी बढ़ेगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत को एक साथ दो मोर्चों यानी पाकिस्तान और चीन के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए इस डील के बाद भारत लड़ाकू विमानों की संख्या को तेजी से बढ़ाएगा।

अमेरिका पहली बार किसी देश के साथ साझा कर रहा ऐसी तकनीक

उम्मीद है कि अमेरिकी राष्ट्रपति सितंबर में जब जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आएंगे तब दोनों देश समझौते को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा कर सकते हैं। भारत के लिए यह सौदा बेहद ही अहम क्योंकि अमेरिका ने अब तक अपने निकटतम सहयोगियों के साथ भी ऐसी तकनीक साझा नहीं की है। वहीं, भारत जेट इंजन तकनीक में काफी पीछे है लेकिन इस एक समझौते से जेट इंजन निर्माण में भारत को मजबूती मिलेगी और भारत की हवाई क्षमता बढ़ेगी। चीन के साथ बढ़ते सीमा तनाव के बीच भारत के लिए यह समझौता बेहद अहम माना जा रहा है। समझौते के तहत 80प्रतिशत तकनीक हस्तांतरण शामिल है जिसका मूल्य 1 अरब डॉलर होने का अनुमान है। अमेरिका कांग्रेस के घटनाक्रम से परिचित एक सूत्र ने कहा कि संसद की तरफ से समझौते को मंजूरी मिल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले ही इस समझौते को मंजूरी दे दी गई थी। प्रक्रिया के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने 28 जुलाई को सदन और सीनेट की विदेश संबंध समिति को इसकी सूचना दी। अगर अधिसूचना के 30 दिनों तक कोई कांग्रेसी प्रतिनिधि या सीनेटर आपत्ति नहीं करता है, तो इसे सबकी सहमति माना जाता है। कोई आपत्ति नहीं हुई तो प्रशासन आगे का काम करता है।

भारत का दौरा टाल सकते हैं चीनी राष्ट्रपति

नई दिल्ली,(एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भारत में होने वाले जी-20 समिट में शामिल नहीं होने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन और भारत के सूत्रों ने ये जानकारी दी है। भारत के 2 अधिकारियों, एक डिप्लोमेट और एक जी-20 के सदस्य देश के अधिकारी ने बताया है कि शी जिनपिंग की जगह चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग बैठक में शामिल होंगे।

जी-20 समिट में चीनी पीएम होंगे शामिल

शी जिनपिंग सिर्फ जी-20 ही नहीं बल्कि आसियान देशों की बैठक में भी शामिल नहीं होंगे। इससे पहले भारत में होने वाले जी-20 समिट को उस मंच के तौर पर देखा जा रहा था, जहां चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन मिल सकते थे।

चीन में मौजूद दो अधिकारियों के मुताबिक अभी उन वजहों का पता नहीं चल पाया है जिसकी वजह से शी जिनपिंग भारत नहीं आ रहे हैं। चीन के राष्ट्रपति ने इस साल केवल 02 विदेश दौरे किए हैं। वो मार्च में रूस और अगस्त में ब्रिक्स समिट में शामिल होने साउथ अफ्रीका गए थे। वो 02 दिन के लिए मार्च में रूस और 03 दिन के लिए अगस्त में साउथ अफ्रीका में रुके थे।

नॉर्थ कोरिया ने साउथ कोरिया पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

प्योंगयांग, (एजेंसी)। नॉर्थ कोरिया ने बुधवार को साउथ कोरिया के क्षेत्र में परमाणु हमले का अभ्यास किया। इसके लिए उन्होंने समुद्री इलाके में 2 कम दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की भी टेस्टिंग की। ये ड्रिल साउथ कोरिया के कमांड सेंटर्स और एयरफील्ड्स में की गई। चश्द्द के हवाले से रॉयटर्स ने बताया कि युद्धाभ्यास अमेरिका और साउथ कोरिया के युद्धाभ्यास को देखते हुए किया गया। नॉर्थ कोरिया ने आरोप लगाया कि अमेरिका इन एक्सरसाइज के जरिए उन पर परमाणु हमले की तैयारी कर रहा है। चश्द्द के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया जंग की स्थिति में किसी भी हमले का जवाब देने के लिए तैयार है।

हमला हुआ तो पड़ोसी देश पर कब्जा करेंगे

यूपी के सीएम योगी से राजा भैया की पत्नी भानवी ने लगाई गुहार

बताया बहन की वजह से टूटा घर

लखनऊ, (एजेंसी)। यूपी की कुंडा विधानसभा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और उनकी पत्नी के बीच तलाक के चलते शुरू हुआ विवाद अब लखनऊ पहुंच चुका है। राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने अपने ट्विटर हैंडल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाई है। ट्वीट में बीते साल 30 सितंबर 2022 को हजरतगंज कोतवाली में दी गई तहरीर पर कार्रवाई करने की मांग की है।

इस हाई प्रोफाइल मामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उनको सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी हुई है। लेकिन, हाल में लिखित तौर पर किसी ने भी थाने में न तो कोई तहरीर दी है न ही कोई शिकायत की है। मामला एक साल पुराना है। लिहाजा जो शिकायत का जिक्र किया है, उसके बारे में हजरतगंज थाने में जानकारी जुटाई जा रही है। बताते चलें कि उप्र की सियासत में रघुराज प्रताप सिंह का पत्नी से विवाद लगातार गहराता रहता जा रहा है। भानवी सिंह ने आरोप लगाया है कि लखनऊ पुलिस उनकी दी हुई शिकायत पर कार्रवाई नहीं कर रही है। उल्टा उनके पति की शह पर छोटी बहन ने उनके ही खिलाफ झूठी तहरीर दी है।

ट्वीट के आखिरी में भानवी सिंह ने लिखा है कि इसी बहन ने मेरा घर तोड़ा है बता दें कि भानवी सिंह ने इसकी 30 सितंबर 2022 को हजरतगंज कोतवाली में एक तहरीर दी थी। इसमें आरोप लगाया था कि अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल जी ने अपने साथियों के साथ मिलकर भानवी के द्वारा बनाई फॉर्म सारंग इंटरप्राइजेज के नाम पर खरीदी गई संपत्तियों पर कब्जा करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए।

अदाणी मामले में राहुल का सवाल

एक अरब डॉलर बाहर जा रहा, यह किसका पैसा है

राहुल ने की जेपीसी के गठन और जांच की मांग

मुंबई। राहुल और सोनिया गांधी 31 अगस्त को मुंबई पहुंचे। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस (I.N.D.I.A) की बैठक से पहले राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल ने दो विदेशी न्यूज पेपर्स के हवाले से कहा कि देश का पैसा बाहर भेजा जा रहा है। एक अरब (बिलियन) डॉलर भारत के बाहर गया। जो पैसा बाहर भेजा जा रहा है, वो पीएम के करीबी व्यक्ति का है। अभी जी-20 का माहौल है। भारत के लिए जरूरी है कि यहां के आर्थिक परिवेश और कारोबारी क्षेत्र में सभी के लिए बराबर अवसर और पारदर्शिता रहे। अखबारों में एक बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल पूछा है।

इस बारे में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन और गहन जांच की जरूरत है। दुनिया के अखबारों द गार्जियन और फाइनेंशियल टाइम्स में गौतम अदाणी के बारे में खबर है कि अदाणी परिवार से जुड़े व्यक्ति ने विदेशी फंड के जरिए अपने ही स्टॉक में निवेश किया। अदाणी जी की कंपनियों के नेटवर्क के जरिए एक अरब डॉलर भारत से बाहर गया और अलग-अलग देशों से घूमकर वापस आया। इससे अदाणी समूह के शेयरों की कीमत बढ़ी।

मास्टरमांइड कौन?

सबसे पहले यह सवाल उठता है कि यह पैसा किसका है? यह अडाणी जी का या किसी और का है? अगर किसी और का है तो किसका है? दूसरा सवाल यह है कि इसके पीछे मास्टरमाइंड कौन है? क्या विनोद अदाणी हैं? दो विदेशी नागरिक नासिर अली, चीन के चेंग चुंग ली भी इसमें शामिल हैं। ये विदेशी नागरिक कैसे भारत के शेयर बाजार को चला रहे है? चीन के नागरिक की क्या भूमिका है?

इंडिया गठबंधन के काम की गिनती ने एनडीए का गणित बिगाड़ा: तिवारी

प्रयागराज, (ब्यूरो)। राज्य सभा सांसद व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा पर महंगाई, कानून व्यवस्था समेत अन्य मुद्दों पर तंज किया। बुधवार को सिविल लाइंस एलगिन रोड स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रमोद तिवारी ने कहा कि खीरी में हुई घटना ने प्रदेश की ध्वस्थ कानून व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर अविलंब कठोर कार्यवाही हो। वहीं इस प्रकरण को धार्मिक रंग देने वाले कथित नेताओं के विरुद्ध भी कानूनी कार्यवाही हो। वहीं प्रमोद तिवारी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के काम की गिनती ने एनडीए का गणित बिगाड़ दिया है, भाजपा की इंडिया हराओ सनक पर पब्लिक का इंडिया जिताओ संकल्प भारी है। वहीं हापुड में हुए अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज पर योगी सरकार को घेरने का प्रयास किया। प्रमोद तिवारी ने कहा कि सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए लाठी और बुल्डोजर के सहारे लोगों को डरा और धमका रही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने मामले की जांच हाईकोर्ट के पूर्व न्यायधीशों से कराने की मांग की। वहीं अरुणाचल प्रदेश में चीनी सैनिकों द्वारा घुसपैठ का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

Filmiतड़का

भौकाली लुक्स, पर्दाफाश एक्शन में पठान से भी बड़ा तूफान लाए शाहरुख खान

मुंबई। इंडियन सिनेमा फैंस के लिए कई दिनों से इंतजार में चलर रही शाहरुख खान की अगली रिलीज जवान का ट्रेलर आ गया है। मेकर्स ने फिल्म से एक प्रीव्यू वीडियो और कुछ पोस्टर ही शेयर किए थे। इन्हीं के भरोसे जनता जवान देखने के लिए पूरा मूड बनाए बैठी है। लेकिन अब ट्रेलर देखने के बाद तो लोगों का झुंड बनाकर थिएटर्स में पहुंचना तय है!

जवान के ट्रेलर में वो पूरा विस्फोटक मसाला है जो बड़े पर्दे पर धमाका करने वाला है। डायरेक्टर एटली ने अपने वादे पर पूरी तरह खरा उतरते हुए शाहरुख को एक ऐसे अंदाज में स्क्रीन पर पेश किया है कि उनके फैन्स तो कई-कई बार थिएटर्स में जवान देख डालेंगे।

समंदर के मजे लेकर आए हो, फोटोग्राफर के कमेंट पर भड़क उठे तमन्ना संग मालदीव से लौटे विजय

मुंबई। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा हाल ही में मालदीव में वेकेशन पर गए। दोनों ने साथ में फोटोज तो शेयर नहीं की, लेकिन एयरपोर्ट पर जाते और आते वक्त दोनों को स्पॉट किया गया। मालदीव से विजय ने तो फोटोज शेयर नहीं की, लेकिन तमन्ना ने अपनी अकेले की फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में तमन्ना ने वेकेशन की अपने बेस्ट मोमेंट्स शेयर किए हैं।

अब गुरुवार को दोनों को जब एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया तो इस दौरान मीडिया फोटोग्राफर की एक बात सुनकर विजय को गुस्सा आ गया। दरअसल, पहले तो विजय सबसे अच्छे से स्माइल करते हुए मिलते हैं और चलते-चलते पोज देते हैं। एक फोटोग्राफर ने पूछा कि ट्रिप कैसी रही तो विजय ने कहा बहुत बढ़िया। तभी एक फोटोग्राफर ने कहा कि विजय भाई मालदीव के समंदर के मजे लेकर आए हो। इस पर विजय ने कहा कि इस तरह की बात नहीं कर सकते आप और उस दौरान विजय के एक्सप्रेशन भी बदल जाते हैं। वह पहले जहां स्माइल करते हुए आते हैं बाद में बिना कुछ रिएक्ट करे चले जाते हैं। तमन्ना एयरपोर्ट पर काफी हॉट आउटफिट पहनकर आईं। उनसे जब ट्रिप के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि ट्रिप काफी अच्छा था। इसके बाद जब उन्हें कहा गया कि उनकी वेकेशन की फोटोज काफी अच्छी थीं तो वह फ्लाइंग किस करती हैं कैमरे की तरफ देखकर। तमन्ना से फिर पूछा गया कि विजय साथ नहीं आए तो वह शरमाते हुए चली जाती हैं। बता दें कि तमन्ना लास्ट डिज्नी प्लस हॉटस्टार की मर्डर मिस्ट्री आखिरी सच में नजर आई थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल करें

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री पर हमेशा के लिए बैन लगाने और ग्रीन पटाखों को ही बेचे जाने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने केंद्र से स्टेटस रिपोर्ट में रेगुलेटरी मेकेनिजम के बारे में भी बताने को कहा है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 13 सितंबर को दोपहर 2 बजे होगी।

एनसीआर में पटाखा बिक्री

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि केंद्र की तरफ से कहा कि सरकार ने एक्सपर्ट की रिपोर्ट के आधार पर ग्रीन क्रैकर्स की इजाजत दी है। उन्होंने कहा कि एक्सपर्ट ने ग्रीन पटाखों की क्वालिटी को बेहतर करने के लिए सुझाव दिया था और मंत्रालय ने भी इसकी इजाजत दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा इसके लिए एक मेकेनिजम होना चाहिए, ऐसे काम नहीं चलेगा क्योंकि सीएसआईआर, पीएसओ और सरकार सब अलग-अलग बातें करती हैं। वहीं, पटाखा निर्माताओं की तरफ से कहा गया कि यह एक बड़ी इंडस्ट्री है और करीब एक लाख लोग इससे जुड़े हुए हैं। शीर्ष अदालत में पटाखा निर्माताओं ने कहा कि ग्रीन पटाखे की गुणवत्ता में सुधार के लिए सुझाव दिया गया था और इस दिशा में कदम उठाए गए हैं। इस दौरान याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब तक क्या-क्या कदम उठाए गए हैं, उसके बारे में केंद्र को स्टेटस रिपोर्ट में बताना चहिए। वकील ने कहा कि अगल-अलग प्राधिकरण अलग-अलग बातें कर रहे हैं।

यूएस ओपन: तीसरे राउंड में पहुंचे जोकोविच

थिएम रिटायर होकर बाहर, सिटसिपास उलटफेर के शिकार, स्वितेक और गॉफ जीतीं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच साल के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन के तीसरे राउंड में पहुंच गए हैं। साल 2020 के मेंस सिंगल्स चैम्पियन डोमोनिक थिएम दूसरे दौर में रिटायर होकर बाहर हो गए। वहीं ग्रीस के स्टेफानोस सिटसिपास उलटफेर का शिकार हो गए। विमेंस सिंगल्स की डिफेंडिंग चैम्पियन इगा स्वितेक और अमेरिका की कोको गॉफ भी ग्रैंडस्लैम के तीसरे राउंड में पहुंच गई हैं।

जोकोविच का अगला मुकाबला हमवतन लास्लो जेरे से

23 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने यूएस ओपन के दूसरे राउंड में स्पेन के बर्नबे जपाटा मिरालेस को सीधे सेटों में हराया। जोकोविच ने आर्थर ऐश स्टेडियम कोर्ट पर 76वीं रैंकिंग वाले मिरालेस के खिलाफ दो घंटे में 6-4, 6-1, 6-1 से जीत हासिल की। सर्बियाई स्टार का अगला मुकाबला हमवतन और 32वीं वरीयता प्राप्त लास्लो जेरे से है। तीन साल पहले टाइटल जीत चुके थिएम अमेरिका के बेन शेल्टन के खिलाफ मैच में रिटायर हो गए। वहीं सातवीं सीड सिटसिपास को स्विट्जरलैंड के क्वालीफायर खिलाड़ी डोमिनिक स्टिकर 7-5, 6-7, 6-7, 7-6, 6-3 ने हराया।

रिटर्न शॉल खेलतीं मीरा एंड्रीवा।

19 साल की गॉफ ने 16 साल की मीरा एंड्रीवा को हराया

डिफेंडिंग चैम्पियन और दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी स्वितेक ने ऑस्ट्रेलिया की डारिया सैविले को 6-3, 6-4 से हराया। स्वितेक अब अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए शुक्रवार को स्लोवेनिया की काजा जुवान का सामना करेंगी। 19 साल की गॉफ ने 16 साल की मीरा एंड्रीवा को 6-3, 6-2 से हरा दिया। तीसरे राउंड में उनका सामना बेल्जियम की एलिस मर्टेंस से होगा।

कोर्ट पर खेलते हुए जिस तरह से मैं महसूस कर रहा हूं, उससे मैं खुश हूं...

हमारी कुछ रैलियां लंबी और थकाने वाली थीं, इसलिए इसमें थोड़ा अधिक समय और प्रयास लगा। मेरे लिए एक ब्रेक काफी था। दूसरे सेट में मैं अच्छा खेला। तीसरे की शुरुआत में, कुछ करीबी गेम हुए, लेकिन आखिरी चार गेम में मैंने वास्तव में अच्छा खेल दिखाया। कोर्ट पर खेलते हुए मैं जिस तरह से महसूस कर रहा हूं, उससे मैं खुश हूं।

नोवाक जोकोविच
सर्बियाई टेनिस स्टार

भारत-पाक मैच में 3 बड़े रिकॉर्ड रहेंगे निशाने पर

रोहित पर रहेंगी खास नजरें

भोपाल। एशिया कप 2023 का आगाज हो चुका है। अब पाकिस्तान को अपना दूसरा मैच भारतीय टीम के साथ खेलना है। यह मुकाबला पाकिस्तान के लिए आसान नहीं होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला 2 सितंबर को श्रीलंका के कैंडी शहर में खेला जाएगा। इस मैच में तीन ऐसे बड़े रिकॉर्ड बन सकते हैं, जिन पर फैन्स की नजरें भी रहने वाली हैं।

शतकों के मामले में टूटेगा महेंद्र सिंह धोनी का रिकॉर्ड

भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक कुल 132 वनडे मैच खेले गए, जिसमें से भारतीय टीम ने 55 जीते और 73 हारे हैं। 4 मैच बेनतीजा रहे। इन सभी मैचों में दोनों टीमों की तरफ से रिकॉर्ड देखा जाए तो भारतीय लीजेंड सचिन तेंदुलकर और पाकिस्तान के सलमान बट ने सबसे ज्यादा 5-5 शतक लगाए हैं। इनके बाद दूसरे नंबर पर 3 खिलाड़ियों ने 4-4 शतक जमाए, जबकि 4 खिलाड़ियों ने बराबर 3-3 शतक जमाए हैं। मगर इन सबके बीच देखने वाली बात ये है कि सचिन के अलावा कोई भी भारतीय पाकिस्तान के खिलाफ 2 से ज्यादा शतक नहीं लगा सका है। इस दौरान 2-2 शतक लगाने वालों रोहित शर्मा और विराट कोहली भी हैं। यदि अगले मैच में इनमें से कोई भी शतक लगाता है, तो वो वनडे में पाकिस्तान के खिलाफ 2 से ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले सचिन के बाद दूसरे भारतीय बनेंगे।

बुमराह तोड़ेंगे कुंबले का रिकॉर्ड: चोट के बाद वापसी कर रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के पास भी एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने का मौका है। वनडे एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीयों में कुंबले टॉप पर काबिज हैं, जबकि एक्टिव खिलाड़ियों में इस समय बुमराह ने 2 मैच में 4 ही विकेट लिए हैं। यदि अगले मैच में बुमराह 4 और विकेट लेते हैं, तो वो कुंबले का रिकॉर्ड तोड़ देंगे

रोहित तोड़ेंगे गांगुली का रिकॉर्ड : यदि पाकिस्तान के खिलाफ अगले मैच में रोहित शर्मा शतक लगाते हैं, तो वो एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। वनडे एशिया कप में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के अर्जुन रणतुंगा के नाम है, जिन्होंने 13 मैचों में 594 रन बनाए हैं। रोहित चौथे नंबर पर काबिज हैं, जिन्होंने 5 मैचों में 317 रन बनाए हैं। यदि रोहित 83 रन बना लेते हैं, तो वो गांगुली को पीछे छोड़ देंगे। इस तरह वो एशिया कप में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे भारतीय प्लेयर बन जाएंगे।

श्रीलंका की इस साल लगातार 11वीं वनडे जीत

एशिया कप क्रिकेट: बांग्लादेश को 5 विकेट से पीटा, समरविक्रमा-असालंका के अर्धशतक, पथिराना ने झटके 4 विकेट

कैंडी, एजेंसी। डिफेंडिंग चैम्पियन श्रीलंका ने एशिया कप-2023 में अपने अभियान का आगाज जीत से किया है। टीम ने ग्रुप-बी के पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया। बांग्लादेशी टीम टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 42.4 ओवर में 164 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में श्रीलंका ने 165 रनों का टारगेट 39 ओवर में 5 विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

तेज गेंदबाज मथीश पथिराना प्लेयर ऑफ द मैच रहे। यह श्रीलंका की इस साल वनडे में लगातार 11वीं जीत है। टीम को आखिरी हार 2 जून को हम्बनटोटा में अफगानिस्तान के खिलाफ मिली थी। इस बीच टीम ने अफगानिस्तान-नीदरलैंड को 2-2 बार और बांग्लादेश, आयरलैंड, ओमान, स्कॉटलैंड, यूएई, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज को एक-एक बार हराया। वनडे एशिया कप में टीम ने बांग्लादेश पर 9 साल बाद जीत हासिल की है।

अकेले पड़ गए शान्तो

एशिया कप का दूसरा मुकाबला भी वनडे साइडेड रहा। इसे श्रीलंका ने आसानी से जीता। पूरे मुकाबले में श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने पकड़ बनाए रखी। टीम के तेज गेंदबाज मथीश पथिराना ने प्रभावित किया। वे चार विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच रहे। नजमुल हसन शान्तो ने समझदारी भरी पारी खेली, लेकिन उन्हें किसी अन्य बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। टीम की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी 59 रन की रही, जो शान्तो ने तौहिद के साथ की। शेष बल्लेबाज आते-जाते रहे। नतीजा, टीम 164 रनों का सामान्य सा स्कोर ही बना सकी, हालांकि बांग्लादेशी गेंदबाजों ने तेजी दिखाई और श्रीलंकाई ओपनर्स को 15 रन पर पवेलियन भेज दिया। 50 रन बनते-बनते टीम ने तीसरा विकेट भी गंवा दिया। तब ऐसा लगा कि मुकाबले में थोड़ा रोमांच आएगा, लेकिन पावरप्ले के बाद बीच के ओवर्स में बांग्लादेशी गेंदबाज विकेट नहीं ले सके और समरविक्रमा ने असालंका के साथ 78 रनों की पार्टनरशिप कर मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। बची औपचारिकताएं कप्तान दसुन शनाका ने पूरी कर लीं।

गेंदबाजी करते पथिराना। इनसेट: बाउंसर से बचने का प्रयास करते शान्तो।

स्कोर बोर्ड

बांग्लादेश	रन	गेंद	4/6
मोहम्मद नईम शेख कै.निसंका बो.धनंजय	16	23	3/0
तंज़िद हसन पगबाधा बो.वीक्षणा	0	2	0/0
नजमुल शान्तो बो.वीक्षणा	89	122	7/0
शाकिब अल हसन कै. मेंडिस बो.पथिराना	5	11	1/0
मो. तौहीद हृदोय पगबाधा बो.दसुन	20	41	0/0
रहीम कै.करुणारत्ने बो.पथिराना	13	22	1/0
मेहदी हसन मिराज़ रन आउट	5	11	0/0
महेदी हसन पगबाधा बो.वेल्लालगे	6	16	0/0
तस्किन अहमद कै.वीक्षणा बो.पथिराना	0	2	0/0
शोरिफुल इस्लाम नाबाद	2	5	0/0
मुस्तफिजुर रहमान पगबाधा बो.पथिराना	0	2	0/0

अतिरिक्त: 8, **कुल:** 42.4 ओवर में 164 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-4, 2-25, 3-36, 4-95, 5-127, 6-141, 7-162, 8-162, 9-164, 10-164,
गेंदबाज़ी: कसुन रजिता 7-0-29-0, महीश वीक्षणा 8-1-19-2, धनंजय डीसिल्वा 10-0-35-1, मथीशा पथिराना 7.4-0-32-4, दुनिथ वेल्लालगे 7-0-30-1, दसुन शानका 3-0-16-1.

श्रीलंका	रन	गेंद	4/6
पथुम निसंका कै.मुशफिकुर बो.इस्लाम	14	13	1/0
करुणारत्ने बो.तस्किन	1	3	0/0
कुसल मेंडिस बो.शाकिब	5	21	1/0
समरविक्रमा स्टंप मुशफिकुर बो.महेदी	54	77	6/0
असलंका नाबाद	62	92	5/1
धनंजय डीसिल्वा बो.शाकिब	2	7	0/0
दसुन शानका नाबाद	14	21	1/0

अतिरिक्त: 13, **कुल:** 39 ओवर में 165/5, **विकेट पतन:** 1-13, 2-15, 3-43, 4-121, 5-128, **गेंदबाज़ी:** तस्किन अहमद 7-1-34-1, शोरिफुल इस्लाम 4-0-23-1, शाकिब अल हसन 10-2-29-2, मुस्तफिजुर रहमान 3-0-12-0, मेहदी हसन मिराज़ 5-0-26-0, महेदी हसन 10-0-35-1.

रग्बी: पुरुषों में रायसेन और महिला वर्ग में सीहोर चैम्पियन

भोपाल। एलएनसीटी खेल मैदान मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में संभागीय शालेय रग्बी प्रतियोगिता महिला एवं पुरुष अंडर-19 का आयोजन किया गया। पुरुष वर्ग में रायसेन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीहोर को 15-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं महिला वर्ग में सीहोर ने रायसेन को 10-5 से हराकर खिताब जीता। भोपाल की महिला टीम तीसरे स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित खिलाड़ी अब इंदौर में 15 सितंबर से होने वाली राज्य स्तरीय रग्बी प्रतियोगिता में भोपाल संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर अजय विश्वकर्मा रायसेन, तरुण घावरी सीहोर, कामिनी नाथ भोपाल, ब्यूटी मौर्या सीहोर को टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया।

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं।

लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।

इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।

अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।

बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।

इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।

बादाम और किशमिश के सेवन से बल्ड प्रेशर कंट्रोल होता है।

जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।

आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।

सुबह बादाम का छिलका उतार दें।

इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।

इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

शमी बोले- जस्सी के आने से गेंदबाजी मजबूत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबे समय तक जसप्रीत बुमराह की कमी महसूस करने के बाद भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि उनकी वापसी से भारतीय गेंदबाजी मजबूत हो गई है। शमी ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम पर कहा, लंबे समय से हमारे पास जस्सी (बुमराह) नहीं था, इसलिए हमें उसके जैसे अच्छे खिलाड़ी की कमी महसूस हुई। आपको कभी-कभी ऐसा लगता है कि 'काश यह खिलाड़ी वहां होता', ताकि आपका संयोजन सेट हो सके, इसलिए जस्सी के होने से, खासकर सीमित ओवर प्रारूप में, हमारी गेंदबाजी बहुत मजबूत हो गई है। वह फिट दिख रहे हैं और अच्छा खेल रहे हैं। उम्मीद है कि हम एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

तीन साल के लिए मुंबई एफसी में शामिल हुए विंगर लोटजेम

मुंबई, एजेंसी। मुंबई सिटी एफसी ने गुरुवार को युवा विंगर सेलेनथांग लोटजेम के साथ अनुबंध की घोषणा की। मणिपुर से आने वाले 19 वर्षीय लोटजेम 2025-26 सीज़न के अंत तक तीन साल के अनुबंध पर मुंबई एफसी में शामिल हुए। पंजाब में जेसीटी अकादमी से आने के बाद लोटजेम को महज 16 साल की उम्र में 2020 में सुदेवा दिल्ली एफसी ने अपने साथ जोड़ा था। क्लब के साथ अपने दूसरे सीज़न में लोटजेम को सुदेवा दिल्ली की पहली टीम में लाया गया और उन्हें 2021-22 आई-लीग में नियमित रूप से खेलने का मौका मिला। इस सीजन उन्होंने 10 मैचों मे एक गोल किया। लोटजेम अगले सीज़न में प्रमुखता से उभरे, क्योंकि उन्होंने सुदेवा दिल्ली के लिए 21 बार मैदान पर उतरते हुए छह गोल किए।

सफलता को सलाम... प्रज्ञानंद ने साझा की तस्वीरें, प्रधानमंत्री मोदी बोले- आप पर गर्व है...

पीएम मोदी ने की युवा ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू से मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिडे शतरंज विश्व कप 2023 में उपविजेता रहे भारत के युवा ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रज्ञानंद से गुरुवार को अपने आवास पर मुलाकात की। प्रज्ञानंद ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर मोदी के साथ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास पर मिलना एक बड़े सम्मान की बात थी! मुझे और मेरे माता-पिता को प्रोत्साहन देने वाले सभी शब्दों के लिए धन्यवाद सर।

उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु के 18 वर्षीय प्रज्ञानंद फिडे विश्व कप 2023 के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं, हालांकि खिताबी मुकाबले में उन्हें नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

मोदी ने प्रज्ञानंद के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, आज सात, लोक कल्याण मार्ग पर बेहद ही खास मेहमान आए। आपसे और आपके परिवार से मिलकर खुशी हुई, प्रज्ञानंद। आप जुनून और दृढ़ता का चरितार्थ हैं। आप इस चीज़ की मिसाल हैं कि भारत का युवा हर मैदान फतह कर सकता है। आप पर गर्व है! प्रज्ञानंद न सिर्फविश्वनाथन आनंद के बाद विश्व कप फाइनल तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय हैं, बल्कि उन्होंने फिडे के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई किया। वे बॉबी फिशर और कार्लसन के बाद कैंडिडेट्स में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं और यह आयोजन जीतकर शतरंज की विश्व चैंपियनशिप में भी जगह बना सकते हैं।

कविता

चांद

चांद के आंगन हम उतरे
दुनिया में खुशहाली छाई
प्रीति की रीति हमीं बताते
जग ने कितनी शांति पाई ।
मानव के घट आकाश में
चांद सा गोला दिखता है
आत्मज्ञान की ज्योति अलौकिक
सब गोविंद है, योगी कहता है ।
मंगल सोचो जग का
मंगल होता रहता है
मंगल करने जगजीवों का
नदिया कैसे बहता है।

● प्रदीप गौतम सुमन

उड़ान बाकी है

मैं विधवा हुई हूं पर
मेरी रूह आज भी
सुहागन सी है,
मेरे पंखों को काट
दिए गए है बार बार
पर उड़ने के लिए
इन आसमा में आज भी
मेरे हौसलो में जान बाकी है,
मेरे पाओ में लगा दिए
गए है हजारों बेरियां
पर मेरे मन मे उपज
रहे इच्छाओं में आज
भी उत्साह बाकी है,
मेरे खिलखिलाने पे
लगा दिए गए है
ढकोसले इन समाजों की
पहरेदारीया पर मेरे
उर में आज भी इस
समाज के प्रति निश्छल
करुणा बाकी है,
मेरे उन तमाम इच्छाओं
पे लगाए जाते रहे है
बंदिशे पर आज भी
उन उलझनों से निकल
उड़ जाने की उड़ान बाकी है।।

● लवली आनंद

गीत

सबको प्रयास करना है
सबको प्रयास करना है
जो खुशी खो गई वर्षों से
उसको तलाश करना है
खुशी दरअसल कायरता की
परम विरोधी होती
खुशी शांति की साथी होती
संगीनों पर सोती
इस के लिए धैर्य का अपने
फिर विनाश करना है।
वही तलाश खुशी कर सकते
जो भुजबल रखते हैं
देश प्रेम जिन की ताकत है
शौर्य अटल रखते हैं
हर दुश्मन का आगे बढ़ कर
सर्वनाश करना है।

● सुशील दीक्षित विचित्र

कहानी

मैं औलाद

अभय नहीं, अनिल हूं चाची। आप घबराइए मत। अभय भैया जरूर आएंगे। अनिल बार-बार अपनी चाची को दिलासा दे रहा था। नहीं आएगा रे, छोड़, मैं भी कितना मूर्ख हूं जो जीते जी नहीं आया, वो अगर मरने के बाद भी ना आए तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं। पांच साल हो गए। हर साल बोलता है, आता हूं , पर आता नहीं है। अपनी बीवी- बच्चों में इतना खो गया है कि इस बुढ़ी मां के लिए उसके पास समय ही नहीं है। चाची नराजगी भरे स्वर में कराहती हुई बोली। चाची आप धैर्य रखिए मैं एक बार और फोन लगाता हूं। कहकर अनिल ने अभय भैया का नंबर डायल किया, रिंग गई लेकिन किसी ने उठाया नहीं। रहने दें, बेटा परेशान मत हो। ऐसा कर तू कागज- कलम ले आ । मैं अपनी सारी जायदाद तुम्हारे नाम लिख देती हूं। चाची स्नेह से अनिल का चेहरा टटोलते हुए भाव- विह्वल होकर बोली। पास ही में अनिल की पत्नी, मां, छोटी बहन एवं पिताजी खड़े थे। अनिल की मां ने अनिल को इशारे से बुलाया और उसे दूसरे कमरे में ले गई। उनके पीछे-पीछे अनिल की पत्नी व बहन भी हो ली। थोड़ी देर बाद अनिल के पिताजी भी वहां पहुंच गए। जा लिखवा ले अपने नाम सब कुछ। हम लोगों के तो दिन फिर जायेंगे। पांच बीघा जमीन और कोठी की कीमत तो पैंतालीस -पचास लाख से कम नहीं होगी।

जल्दी कर बेटा, बुढ़िया अपनी जायदाद अगर बिना तुम्हारे नाम किए बिना मर गई तो सारी संपत्ति उसके नालायक बेटे अभय के नाम हो जायेगी।

अनिल की मां बोली।

हां भैया, इसी दिन के लिए तो हम लोगों ने इनकी इतनी सेवा की। बीच में उसकी बहन नीलू बोल पड़ी। उसकी पत्नी व पिता ने कुछ नहीं कहा। अपनी मां -बहन की बात सुनकर अनिल खीझ उठा और अपने आंसू पोछते हुए अपनी मां से बोला यह तुम कैसी बातें कर रही हो मां? मैंने चाची की सेवा इसलिए नहीं की कि उनके सम्पत्ति की मालिक बन सकूं । चाची भी तो मां समान ही होती है न। मैं किसी का हिस्सा नहीं ले सकता। किसी का हिस्सा हड़प कर मैं खुद की नजरों में गिर जाऊंगा मां। अनिल थोड़ी देर रूका और फिर बोला, मां तुम्हारे कहने मतलब यह है जिस मां-बाप के पास धन - सम्पत्ति हो, बुढ़ापे में उसी की सेवा होनी चाहिए। पर जो मां -बाप कंगाल होते हैं तो क्या उनके बच्चे उन्हें यूं ही बुढ़ापे में तड़पता हुआ छोड़ देंगे। अनिल की बातें सुनकर उसकी मां निरुत्तर हो गई। अनिल के पिताज का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। लेकिन संकीर्ण दिमाग की छोटी बहन मुंह बनाकर बोली, भैया आप तो बड़े सिद्धांतवादी है। भाभी आप ही समझाओ न भैया को । ऐसा मौका फिर हाथ नहीं आएगा। भाभी ने प्यार से अपनी ननद के माथे पर हाथ फेरते हुए बोली, तुम्हारे भैया ठीक कह रहे हैं। ठंडे दिमाग से सोचेंगी न तो आपको अपने भैया की बात समझ में आ जायेगी। ऊंह, मेरी बात तो कोई समझता ही नहीं यहां पर नीलू मायूस हो उठी। अनिल बेटा, कहां गया तू? चाची ने आवाज लगाई अनिल दौड़ा-दौड़ा अपनी चाची के पास पहुंचा। कागज- कलम ले आया बेटा। चाची अनिल के हाथ को अपने हाथों में लेते हुए बोली। नहीं चाची, आप चिंता मत कीजिए। आपको कुछ नहीं होगा। अनिल भावूक हो उठा। नहीं बेटा, लगता है भगवान की तरफ से बुलावा आ गया है । जल्दी कर, नहीं तो.. कहते हुए चाची की आवाज रूद्ध गई। चाची मैं अभय भैया का अधिकार हड़पना नहीं चाहता। अनिल बोला। कैसा अधिकार बेटा? अधिकार पाने के लिए कर्तव्य भी जरूरी होते हैं। चाची रूंधें कंठ से बोली। चाची, मैंने आपकी सेवा आपकी जायदाद पाने के लिए नहीं किया है। आप मेरी मां समान हैं। अनिल ने कहा तो चाची आश्चर्य एवं स्नेह से उसका मुंह ताकने लगी। फिर चाची ने हौले से पानी मांगा। अनिल की पत्नी जल्दी से पानी का गिलास अनिल को थमा दी। अनिल के हाथ से पानी पीकर चाची तृप्त हो गई। उन्होंने एक नजर सबको देखा फिर अनिल के सिर पर हाथ फेरते हुए बोली, सदा खुश रहना मेरा लाल। भगवान तुझ जैसा औलाद हर किसी को दे। कहने के साथ ही चाची परलोक सिधार गई।

● शीला श्रीवास्तव

कहानी

ममता

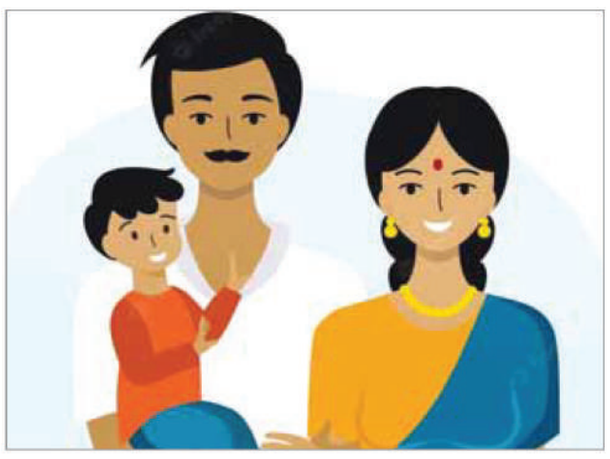

अपने रिश्तेदारों व अन्य लोगों के मुंह से दबे स्वरों में अपने अनाथ होने की बात कई बार दब-छुप कर सुनने के बाद अब उसे विश्वास हो गया था कि वह बचपन से जिनके साथ रहता आया है, वे उसे जन्म देने वाले माता-पिता नही हैं। उसे अनाथालय से गोद लिया गया है। क्यों कर दिया जन्म देने वाली मां ने उसका त्याग? वह उसके पास होती तो शायद अधिक प्यार-दुलार करती, उसे अधिक ममता मिलती। यह विचार बार-बार उसके मन को उद्वेलित कर रहा था। वह उदास व अनमना-सा रहने लगा। गोद मे खिलाने की उम्र से आज उसे अपने पैरों पर खड़ा करने तक उसका पालन-पोषण करते आ रहे माता-पिता भी उसके इस तरह अचानक बदले हुए व्यवहार से अचंभित व चिंतित रहने लगे थे क्योंकि उन्होंने उसके लालन-पालन में कोई कसर नही रख छोड़ी थी। लाख पूछने के बावजूद वह उन्हें अपने मन की बात बताने को राजी नही था। आज उसने ठान लिया कि उसे जन्म देकर अनाथालय में छोड़ने वाली मां व पिता का पता वह किसी भी तरह लगा कर ही रहेगा। वर्तमान मां-पिता के बहुत अनुनय-विनय के बावजूद उसने आज खाना नहीं खाया और मोटर साइकिल पर बैठ उस अनाथालय की तरफ चल दिया जहां से उसे पालने वाले माता-पिता ने गोद लिया था। अभी घर से कुछ ही दूर पहुंचा था कि पीछे की तरफ से तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मारी जिससे वह झटके के साथ दूर जा गिरा और होश खो बैठा। बाद में जब उसकी आंख खुली तो उसने अपने को अस्पताल में बिस्तर पर पाया और पास में आंसू बहाते उसे पालने वाले मां-पिताजी दिखे।

कुछ ही क्षण में उसे अपने साथ हुई दुर्घटना याद आ गई। अब वह बचपन मे सुनी भगवान कृष्ण, मां देवकी व यशोदा मैया की कहानी याद कर रहा था। उसे यह समझ में आ रहा था कि भगवान कृष्ण को जन्म देने वाली मां व उन्हें पालने वाली मां यशोदा को बराबर का सम्मान शायद इसीलिए मिलता है कि उन दोनों की ममता व त्याग में कोई अंतर नही था। अब वह उसे जन्म देने वाली मां और पिता की तलाश का विचार त्याग चुका था।

● -योगेंद्र माथुर

परीक्षा यज्ञ के सॉल्वर देवता

प्रश्न पत्र मिलने की घंटी बजते ही हृदय गति में यकायक उत्थान होता है। चूंकि ये बेचारे लंबे समय से उस अग्निपरीक्षा के लिए खुद को तैयार कर रहे होते हैं, सो प्रश्नपत्र देखकर उनके हृदय की धड़कनों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता। एक खास बात और होती है कि इस प्रजाति के सॉल्वर अग्निपरीक्षा में सफल होने हेतु ईश्वर से बराबर प्रार्थना करते रहते हैं और सफल हो जाने पर तमाम जगह प्रसाद चढ़ाते फिरते हैं। यूं कहें कि ये स्वार्थी स्वभाव के होते हैं और स्वयं के लिए ही परीक्षा में प्रकट होते हैं।

एक कहावत सोलह आने सच है कि जिंदगी इम्तिहान लेती है। सत्य तो यह है कि हर एक इम्तिहान अपने साथ एक प्रश्न पत्र लेकर आता है। अब अगर प्रश्न पत्र में पूछे गए सवालों के जवाब आपकी खोपड़ी में विद्यमान हैं, तब तो आप ठहरे हीरो और नहीं तो जीरो। वो जमाना और था जब नौकरी को खेती-बाड़ी के आगे बड़ा तुच्छ समझा जाता था। लेकिन जब से जनसंख्या को दिन दूना रात चौगुना बढ़ने का आशीर्वाद प्राप्त हुआ, तब से जीवन यापन के लिए भी मानो एक बाधा दौड़ से गुजरना पड़ रहा है। सो की सीधी एक बात कहें तो छोटी से लेकर बड़ी नौकरी को हासिल करने के लिए प्रश्नपत्र के रूप में एक कड़ी अग्निपरीक्षा देनी पड़ती है। दिलचस्प बात तो यह है कि आजकल परीक्षाओं में दो तरह के सॉल्वर पाए जाते हैं। पहली प्रजाति वह है जो परीक्षा से एक घंटे पहले तक अपने शरीर की पूरी ताकत को परीक्षा में झोंकने के पश्चात परीक्षा केंद्र में दाखिल होने का मूड बनाते हैं। परीक्षा केंद्र में दाखिल होते हुए उनके हृदय की धड़कनें सामान्य से थोड़ा बढ़ जाती हैं और परीक्षा कक्षा में पहुंचते ही धड़कनों का ग्राफ थोड़ा और बढ़ जाता है। प्रश्न पत्र मिलने की घंटी बजते ही हृदय गति में यकायक उत्थान होता है। चूंकि ये बेचारे लंबे समय से उस अग्निपरीक्षा के लिए खुद को तैयार कर रहे होते हैं, सो प्रश्नपत्र देखकर उनके हृदय की धड़कनों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता। एक खास बात और होती है कि इस प्रजाति के सॉल्वर अग्निपरीक्षा में सफल होने हेतु ईश्वर से बराबर प्रार्थना करते रहते हैं और सफल हो जाने पर तमाम जगह प्रसाद चढ़ाते फिरते हैं। यूं कहें कि ये स्वार्थी स्वभाव के होते हैं और स्वयं के लिए ही परीक्षा में प्रकट होते हैं।

अब बात कर लेते हैं दूसरी प्रजाति के सॉल्वरों की, तो ये परोपकार एवं जनकल्याण की भावना से ओतप्रोत दिव्यात्माएं होती हैं। यह एक अलग की बात है कि इस परोपकार के बदले ये अपना सूक्ष्म चढ़ावा ग्रहण कर लेते हैं। कुछ विशेष अभ्यर्थी परीक्षारूपी युद्ध में शामिल तो कूदकर हो जाते हैं, लेकिन हथियार ढंग से पकड़ना भी नहीं आता। ऐसे अविवेकी लोगों के लिए ये सॉल्वर साक्षात ईश्वर का स्वरूप होते हैं। लेकिन ईश्वर को पाना इतना आसान तो है नहीं, तो भइया इनको प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थियों को जुगाड़ तुगाड़ की कड़ी तपस्या व साधना करनी पड़ती है। इस कठोर तपस्या के उपरांत उन्हें एक दिव्यगैंग के दर्शन होते हैं। यह गैंग अपनी शर्तों के आधार पर उन अभ्यर्थियों से सॉल्वररूपी ईश्वरदर्शन का सौदा करता है और उन्हें यह विश्वास दिलाता है कि यदि वह हमारे गैंग पर विश्वास रखते हुए आवश्यक नियमों के अनुसार पूजा अर्चना करेंगे, तो निस्संदेह परीक्षायज्ञ में सॉल्वर रूपी ईश्वर का आशीर्वाद उन्हें प्राप्त होगा ही होगा। अब अभ्यर्थी को आशीर्वाद दिलाने के लिए दिव्यगैंग का प्रधान देवता अपने इष्ट सॉल्वर देवता से संपर्क करता है और उन्हें मुंहमांगा चढ़ावा चढ़ाने का वचन देते हुए अभ्यर्थीरूपी भक्त को आशीर्वाद देने के लिए तैयार कर लेता है। यहां एक बात उल्लेखनीय है कि यह आवश्यक नहीं है कि अभ्यर्थी ने जिस देवता के लिए अर्जी लगाई है, उसके दर्शन कर ही पाए, हां आशीर्वाद मिलने की गारंटी सौ फीसदी होती है। परीक्षायज्ञ में अपनी और अपने दिव्यगैंग की मायावी शक्तियों की वजह से ये सॉल्वर देवता परीक्षा कक्षा में अभ्यर्थी के स्थान तक पहुंचने में कामयाब हो जाते हैं और परीक्षा पूर्ण करके अंतरध्यान भी हो जाते हैं। परीक्षा का नतीजा आता है और अभ्यर्थी परीक्षा को पार कर जाता है तथा मन ही मन उस देवात्मा को धन्यवाद देता है। अब समय हमेशा एक सा तो रहता नहीं। दूसरी बात ये कि परोपकारी व्यक्ति वैसे ही सबकी नज़रों में खटकता रहता है। कुछ ऐसा ही आजकल पिछली कुछ परीक्षाओं से इन देवतुल्य लोगों के साथ घटित हो रहा है। सरकार, पुलिस और प्रशासन ये सब अपनी छवि को चमकाने के चक्कर में इन पुण्यात्माओं को सोची समझी साजिश का शिकार बनाकर बेचारे अभ्यर्थियों का भी भविष्य बरबाद कर दे रहे हैं।

बहरहाल बड़ी चिंता का विषय है कि अगर इसी प्रकार परीक्षा के दिव्यगैंग और सॉल्वर देवताओं की कार्ययोजनाओं में सरकार और प्रशासन की सेंधमारी चलती रही, तो नौकरी और प्रसिद्धि दोनों उन्हीं के हाथ लगेंगी जोकि गुमान और स्वार्थ में चूर होकर खुद ही सॉल्वर देवता बने बैठे हैं। परहित की पावन भावना से ओतप्रोत ईश्वरीय अवतार सदृश सॉल्वरों और उनके समूह को कोई नहीं पूछेगा।

● -शिशिर शुक्ला

भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट जगहों पर बिताएं छुट्टियां, वापस लौटने का नहीं होगा मन

गर्मियों की छुट्टियां शुरू होते ही लोग घूमने निकल जाते हैं। गर्मी अधिक होने की वजह से लोग हिल स्टेशनों का रुख करते हैं। इस मौसम में भी हिल स्टेशनों पर तापमान कुछ कम होने से ठंडक महसूस होती है। गर्मियों की छुट्टियों में पहाड़ी जगहों पर जाने से हिल स्टेशनों पर बहुत ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है। वहीं हिल स्टेशनों में पर्यटकों की भीड़ के चलते वहां पर चीजों के दाम दोगुने हो जाते हैं। होटल के रूम से लेकर खाने-पीने का सामना तक महंगा हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी कम बजट में हिल स्टेशन घूमने के लिए जाना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर भीड़ कम होने के साथ ही आप अपने बनाए बजट में सुकून भरी छुट्टियां बिता सकते हैं। आज हम आपको नॉर्थ इंडिया के कुछ कम भीड़भाड़ वाले हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर जाकर आप आराम से अपनी छुट्टियों को इंज्वॉय कर सकते हैं। आइए जानते हैं नॉर्थ इंडिया के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में...

नारकंडा, हिमाचल प्रदेश

हिल स्टेशन की बात करें तो सबसे पहले नाम शिमला-मनाली का आता है। लेकिन शिमला में पर्यटकों की बहुत भीड़ रहती है। ऐसे में अगर आप कम भीड़भाड़ वाली जगह पर जाना चाहते हैं तो आप शिमला से 60 किमी की दूरी तय कर छोटे से शहर नारकंडा जा सकते हैं। बता दें कि नारकंडा एक स्की रिसॉर्ट है। यहां पर बर्फ से ढकी चोटियों की खूबसूरती निहारने में एक अलग ही एहसास की अनुभूति होगी। छुट्टियां बिताने के लिए यह एक सुकून भरी जगह है।

कल्प, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के कन्नौर हिल स्टेशन पर लोग अपनी छुट्टियों को मनाने के लिए जाते हैं। लेकिन अगर आप भीड़भाड़ से दूर छुट्टियां बिताना चाहते हैं, तो इसके लिए कल्प जा सकते हैं। किन्नौर के छोटा सा शहर, जिसे कल्प नाम के जानते हैं। यह सतलुज नदी घाटी में स्थित है। शिमला काजा हाईवे से कल्प शहर 16 किमी दूर है। यहां पर आपको देवदार के बड़े-बड़े वृक्षों के साथ ही बर्फीली वादियां देखने को मिलेंगी।

रिवालसर

रिवालसर हिल स्टेशन हिमाचल प्रदेश के ऑफबीट हिल स्टेशनों में से एक है। हालांकि धार्मिक दृष्टि से रिवालसर अहम माना जाता है। यह जगह हिंदुओं, बौद्धों और सिखों की आस्था का केंद्र है। भीड़भाड़ कम होने के कारण यह सस्ती और सुकून भरी जगह है।

चौकोरी, उत्तराखंड

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में चौकोरी नामक छोटा सा हिल स्टेशन है। इस हिल स्टेशन की सुंदरता देख आपका वापस आने का मन नहीं करेगा। चौकोरी हिल स्टेशन के बारे में बहुत कम पर्यटकों को पता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता आपको अपनी ओर खींचने का काम करती है।

मानसून में पार्टनर के साथ बनाएं इन जगहों पर घूमने का प्लान, प्रकृति की सुंदरता देख झूम उठेगा मन

जुलाई साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के लगभग सभी हिस्सों में मानसून पहुंच जाता है। वहीं मानसून के मौसम में घूमने का अलग ही मजा होता है। कई लोग मानसून में पहाड़ों की तरफ जाना पसंद करते हैं तो वहीं कुछ लोग रेगिस्तान घूमने के लिए जाते हैं। घूमने का शौकीन व्यक्ति कभी भी सुहावने मौसम और झमाझम बारिश में घूमने का मौका नहीं गंवाता है। ऐसे मौसम में अधिकतर लोग लांग ड्राइव पर भी जाना पसंद करते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां पर आपको घूमने का एक अलग ही आनंद मिलेगा। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

उदयपुर- वैसे तो राजस्थान हमारे देश का सबसे गर्म प्रदेश माना जात है। लेकिन जुलाई के महीने में यानी की बारिश के मौसम में इस राज्य की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। मानसून में आप उदयपुर घूमने के लिए जा सकते हैं। क्योंकि इस समय उदयपुर बेहद मनमोहक और खूबसूरत हो जाता है। झीलों की नगरी के नाम से मशहूर यह शहर मानसून में एक साथ हजारों से अधिक अद्भुत दृश्य पेश करता है। जो आपके मन को मंत्रमुग्ध कर देगा। यहां पर मानसून में हर साल हजारों सैलानी घूमने के लिए आते हैं और झील किनारे मौज-मस्ती करती हैं। उदयपुर में आप फतेह सागर झील, पिछोला झील, लेक पैलेस और सिटी पैलेस जैसी जगहों पर घूमने का मजा उठा सकते हैं।

मसूरी- अगर आप इस मानसून उत्तराखंड की किसी बेहतरीन जगह को एक्सप्लोर करना चाहते हैं तो मसूरी आपको निराश नहीं करेगा। मानसून में मसूरी की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है। आपको मानसून में यहां पर सड़क से लेकर पहाड़ और पहाड़ से लेकर झीलों के किनारे सिर्फ और सिर्फ बादल ही दिखाई देंगे। कई बार बारिश के समय यह पूरा शहर बादलों से ढक जाता है। यहां पर आप मानसून में गन हिल, लाल टिब्बा, केम्प्टी फॉल्स और नाग टिब्बा जैसी बेहतरीन जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

गंगटोक- जुलाई के महीने में घूमने का शौकीन व्यक्ति नॉर्थ ईस्ट की किसी हसीन जगह को एक्सप्लोर करना चाहेगा। ऐसे में अगर आप भी ऐसा प्लान बना रहे हैं तो आपको गंगटोक की हसीन वादियों में जरूर जाना चाहिए। मानसून के दौरान पूरा गंगटोक शहर बादल से ढक जाता है। यहां पर नजारा देख आपका वापस आने का मन नहीं करेगा। मानसून आने पर चेरापूंजी में सबसे अधिक बारिश होती है। लेकिन ज्यादा बारिश में चेरापूंजी जाना सही नहीं माना जाता है। ऐसे में आप गंगटोक में ताशी व्यू पॉइंट, हनुमान टोक, नाथुला पास, हॉट स्प्रिंग्स और हिमालयन जूलॉजिकल पार्क आदि घूम सकते हैं।

कुर्ग- अगर बारिश के मौसम में आप दक्षिण भारत की किसी बेहतरीन जगह घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आपको कुर्ग जरूर जाना चाहिए। बता दें कि कुर्ग एक ऐसी मनमोहक जगह है, जो दक्षिण भारत में घूमे जानी वाली टॉप जगहों में आती है। कुर्ग की प्राकृतिक सुंदरता, मनोरम वातावरण, हरी-भरी पहाड़ियों में आपका बस जाने का मन करेगा। यहां पर आप अपने परिवार व दोस्तों के साथ आ सकते हैं। समुद्र के किनारे मौजूद इस जगह की खूबसूरती मानसून में अपने चरम पर होती है।

भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने के लिए हिन्दुत्व और प्रखर राष्ट्रवाद की ओर लौटना होगा : प्रान्त प्रचारक रमेश जी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया रक्षाबंधन उत्सव, परिवार सहित पहुंची बहनों ने भाईयो की कलाई में रक्षासूत्र बांधकर लिया राष्ट्ररक्षा का संकल्प

प्रखर मिजार्पुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मिजार्पुर के स्वयंसेवक एवं संघ विचार परिवार के कार्यकताओं द्वारा गुरुवार को नगर के राजस्थान इंटर कालेज के सभागार में रक्षाबंधन उत्सव बड़े ही हर्ष एवं उल्लासपूर्वक मनाया गया। परम पवित्र भगवा ध्वज को रक्षासूत्र बांधकर राष्ट्र को परं वैभव की कामना के साथ परिवार सहित पहुची बहनो ने भाईयो की कलाई मे रक्षासूत्र बांधकर राष्ट्ररक्षा का संकल्प लिया। इस दौरान प्रान्त प्रचारक श्री रमेश जी का पाथेय प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रान्त प्रचारक श्री रमेश जी ने कहाकि जब तक समाज में एकता समरसता समानता ० सद्भाव था तब भारत विश्व गुरु था लेकिन समाज में क्लेश-कलह द्वन्द-द्वेष सामाजिक विषमता जैसी भावनाओं के आने के बाद भारत विश्व गुरु नहीं रह गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उत्सवों के माध्यम से समाज में समरसता का भाव लाने और समाज से कुप्रथाओं को विगत 98 वर्ष से समाप्त कर रहा है। समाज की समस्याओं का समाधान हिंदुत्व और भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने के लिए हिन्दुत्व और प्रखर राष्ट्रीयता की ओर लौटना होगा। उन्होने

कहाकि मातृशक्तियो की तप के कारण ही भारत ० भारत की प्राचीन संस्कृति बची है, लेकिन मार्क्सवादी इतिहासकारो ने इतिहास का मजाक बनाते हुए हमारी मातृशक्ति वीरांगनाओ जिन्होने देश रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, उनको महत्व नही दिया। महाराज उदय सिंह के पुत्र शक्ति सिंह की बेटी किरण देवी ने हिन्दू बेटियों बहुओं पर कुदृष्टि रखने वाले अकबर को उसी के मीना बाजार में जाकर उसके सीने पर लात रखकर गर्दन पर तलवार की नोक लगाने का काम किया था लेकिन मार्क्सवाद प्रेरित इतिहासकारों ने इसका कोई जिक्र नहीं किया। मुगलों के कुदृष्टि के कारण ही हमारे समाज में पर्दा प्रथा बाल विवाह के साथ-साथ रात्रि विवाह का प्रचलन शुरू हुआ। प्रांत प्रचारक ने कहा कि जब जब देश की संस्कृति और परंपरा पर आघात हुआ तो मातृ-शक्तियों ने पूरी ताकत के साथ इसका प्रतिकार किया।अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में नारी का कोई स्थान नहीं उन्हें वोट देने का भी अधिकार नहीं दिया था,लेकिन भारतीय संस्कृति में मातृ देवो भव का भाव है और हम गर्व से कहते हैं कि माता भूमिः पुत्रों अहम पृथीव्याः । यहाँ नारी अबला नही सबला है और श्रद्धा ही नही बल्कि शक्ति का प्रतीक है। मातृशक्ति कभी भी अपने लिए नही बल्कि वह पुत्र-पति परिवार व सम्पूर्ण समाज के लिए, व्रत उपवास करती हैं ओ हमेशा संस्कार के लिए समर्पित रही है और है। सती अनुसूइया जैसी योगिनी नही हुई, 17 लाख साल पहले माता अंजनी के बताए लाल फल रूप मे हनुमान ने सूर्य को लील लिया। पन्ना धाय को पता था की हश्र क्या होगा, फिर भी प्रिय पुत्र की बलिदान देकर उन्होंने मेवाड़ की रक्षा की। बताया कि बामनावतार विष्णु भगवान ने महाराजा बलि को रक्षासूत्र बांधकर ही दान का संकल्प कराया और भगवान विष्णु के बामनावतार को तीन पग दान (सर्वस्व अर्पण) से प्रसन्न कर बली हमेशा के लिए पाताल लोक ले गया था। काफी दिन न लौटने पर श्रावण पूर्णिमा के दिन ही माता लक्ष्मी वहा मातृशक्ति रूप मे पहुची और महाराज बलि को रक्षासूत्र बाधा। बलि ने पूछा क्या चाहिए तो लक्ष्मी जी ने कहा हमे हमारे स्वामी चाहिए और तथास्तु कहते ही अपने रूप मे आ गयी। लेकिन विष्णु भगवान ने कहा कि मै प्रत्येक वर्ष पाताल लोक में चार माह स्थान एकादशी से उठवानी एकादशी तक (चतुर्मास) पाताल लोक मे रहूँगा। देवताओ की रक्षा के लिए मातृ शक्तियो का प्राकट्य होता रहा और उनके पराजित होने का इतिहास नही रहा। इन्द्र के विजय के लिए इंद्राणी रक्षासूत्र बांधती है और शक्ति प्रदान करती है और दैवीय शक्तियो के बल पर आसुरी शक्तियो पर विजय प्राप्त किया। बहुत सारे देश अतीत में चले गए लेकिन हमारी सभ्यता संस्कृति एवं पर्वों के चलते मिली ऊर्जा से गुलामी का दंश झेलने 1300 वर्ष तक ग्रीक, हुड, शक, यवन, मुगल और अंग्रेजो के आघात का प्रतिकार करने के बाद भी हमारे उत्सवों के परंपरा के कारण ही संस्कार और संस्कृति जीवंत है। संस्कृति सभ्यता और समाज को तोड़ने वाली शक्तियां लगी, लेकिन पर्वों ने देश को जोड़े रखा। हमारी संस्कृति में कोई भी पर्व हो संदेश देता है कि- 'सब समाज को लिए साथ में आगे है बढ़ते जाना, .. जहां पूर्णता मयार्दा हो सीमाओं की डोर नहीं। ऐसे मे हम सभी को संकल्प लेना होगा कि समाज को तोड़ने वाली शक्तियो का सामना कर प्रखर राष्ट्रीयता की और लौटना होगा और संपूर्ण समाज मे ऐसा भाव लाना होगा, ताकि अपना देश परं वैभव और विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर हो। इस अवसर पर प्रान्त सह संघचालक अंगराज सिंह, विभाग संघचालक तिलकधारी , सहविभाग संघचालक धर्मराज सिंह ज़िला संघचालक शरद उपाध्याय, विभाग कार्यवाह सच्चिदानंद त्रिपाठी जिला कार्यवाह चंद्रमोहन, सुनील दुबे, विभाग प्रचारक परितोष, जिला प्रचारक धीरज, नगर प्रचारक राजेन्द्र प्रसाद, नगर संघचालक कुलदीप, नगर कार्यवाह लखन, सोहन श्रीमाली रोहित त्रिपाठी मनोज जायसवाल श्यामसुन्दर केशरी सहित एक हजार से अधिक स्वयंसेवक बंधु एवं राष्ट्र सेविका समिति की बहनो की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

संक्षिप्त खबरें

जौनपुर में जमीनी विवाद में पट्टीदारों के बीच खूनी संघर्ष एक की मौत

प्रखर जौनपुर। जिले के हमजापुर गांव में गुरुवार रात में भूमि विवाद को लेकर पट्टीदारों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। चाकू से हुए हमले में एक पक्ष से पिता-पुत्र समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में पुत्र को मृत घोषित कर दिया गया। बाकी दो घायलों को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के हमजापुर गांव में रात आठ बजे पट्टीदारों में जमीन को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान हुई चाकूबाजी में एक पक्ष से अनुराग चौहान पुत्र राजेश चौहान की मौत हो गई। जबकि राजेश चौहान 45 वर्ष पुत्र अक्षय कुमार चौहान व भतीजा सुमन चौहान 23 वर्ष पुत्र भास्कर चौहान घायल हो गए। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर देखते हुए इन्हें बीएचयू ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस मौके पर पूछताछ में जुटी हुई है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि एक की मौत की पुष्टि हुई है।

राष्ट्रीय पंचायती राज प्रधान संगठन जिला कार्यकारिणी ने 2 सितंबर को बुलाया वाराणसी के ऑठो ब्लॉक पदाधिकारी की बैठक ग्राम सभा की समस्याओं पर होगा चर्चा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राष्ट्रीय पंचायती राज प्रधान संगठन जिला कार्यकारिणी वाराणसी के ऑठो ब्लॉक पदाधिकारी की बैठक जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने जिला के पदाधिकारी और ब्लॉक के पदाधिकारी का बैठक 2 सितम्बर 2023 को हुरहुआ रिंग रोड पर स्थित अवध मान होटल में बुलायी गयी है जिसमें प्रधानों के साथ उत्पीड़न शासन द्वारा किया जा रहा है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्कर्ष समारोह लखनऊ में तमाम वादे किए थे ग्राम सभा को वापस करने के लिए अभी तक वापस नहीं किया गया ` मनरेगा श्रमिक का रुपया विलंब से आना ,मनरेगा पदार्थ का रुपया दो -दो साल विलंब से आना और आधा अधूरा पेमेंट होता है 30 प्रतिशत रुपया कटा हुआ अभी तक वापस नहीं किया गया इन सब तमाम मुद्दों पर प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में जिलाध्यक्ष के द्वारा बैठक बुलायी जा रही है आगे जैसा निर्देश मिलेगा उस प्रकार से जिले में कार्यक्रम होगा` यह सूचना राष्ट्रीय पंचायती राज प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने दिया है।

महाराणा प्रताप क्षत्रिय न्यास मनाएगा 3 सितंबर को राजर्षी उदयप्रताप सिंह जू देव जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। महाराणा प्रताप क्षत्रिय समाजसेवा न्यास तुलसीपुर गाजीपुर के तत्वावधान में भिनगा के राजा राजर्षि उदयप्रताप सिंह जूदेव उर्फ सोमाया जी की जयंती 3 सितंबर दिन रविवार को दिन में 12 बजे महाराणा प्रताप भवन तुलसीपुर में मनाया जायेगा। यह जानकारी देते हुए न्यास के वरिष्ठ पदाधिकारी डा. डीपी सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष जिला सहकारी संघ गाजीपुर वीरेंद्र सिंह और जिला सहकारी बैंक के गाजीपुर के अध्यक्ष सर्वेश सिंह होंगे।

शौच करने गए युवक की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत

प्रखर चन्दवक जौनपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के बजरंगनगर चौकी अंतर्गत के अवहदपुर कोइलारी गांव का बताया जा रहा है। संदिग्ध परिस्थिति मे सड़क के किनारे एक 22 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र मे हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार सचिन यादव पुत्र विजय यादव उम्र 22 वर्ष सुबह शौच के लिए घर से निकला था। वही गांव से लगभग 500 मीटर दूर स्थित सड़क के किनारे मृत पड़ा मिला। युवक के मौत की सूचना मिलते ही परिजनों मे चीख पुकार मच गयी। जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे मे लेकर जांच पड़ताल मे जुटी हुई है।

गांव के खड़ंजे पर दंबग कर रहे कब्जा, उपजिलाधिकारि को सौंपा पत्रक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सदर तहसील क्षेत्र के अंधऊ गाँव में सरकारी खड़ंजे पर कब्जा करने को लेकर गांव के ही संग्राम यादव ने उपजिलाधिकारी को पत्रक सौप कर प्रधान द्वारा बनवाएं हुए सरकारी मार्ग पर गांव के कुछ लोगों द्वारा गेट लगवाने का आरोप लगाया गया है। पिडित ने कहा कि इस रास्ते पर सरकारी पैसे से इंटरलॉकिंग होने से गांव के लोगों का अस्पताल स्कूल सहित अन्य कार्यों के लिए इसी मार्ग से आना जाना होता है। रास्ते पर सरकारी खर्चे से इंटरलॉकिंग भी कराई गई है। इसके बावजूद गुप्ता परिवार के लोग जबरदस्ती उस पर गेट लगवाकर अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके कारण मेरे परिवार के साथ ही अन्य लोगों के लिए बाधाएं उत्पन्न हो होगी। मामले की जांच कराकर उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

ट्रक की चपेट में आने से छात्रा की मौत, दूसरा घायल

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के चुप्पेपुर हाईवे के पास शुक्रवार की सुबह साढ़े 7 बजे के लगभग ट्रक की चपेट में आने से छात्रा प्रियंका पटेल की मौत हो गई वही साथी छात्रा घायल हो गई है। जानकारी के अनुसार चुप्पेपुर निवासी प्रियंका पटेल पुत्री बंसत पटेल उम्र 17 वर्ष जो 12वीं छात्रा थी तथा सुभद्र कुमार इंटर कॉलेज बसनी में पढ़ती थी वह अपने सहेली अंजलि पटेल के साथ सड़क के किनारे खड़ी होकर कॉलेज जाने के लिए अपने सहेली नेहा का इंतजार कर रही थी कि चुप्पेपुर गांव के सामने हाईवे पर जौनपुर से वाराणसी जा रही ट्रक अनियंत्रित होकर उसे टक्कर मार दी। जिससे वह बुरी तरह घायल हो

गई । दोनों छात्रों को लोग घायल अवस्था में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिंडरा ले गए । जहां डॉक्टरों को प्रियंका पटेल को मृत घोषित कर दिया । वही अंजलि पटेल को परिजन रमईपुर स्थित जेजे अस्पताल में भर्ती कराया। जहाँ उसकी हालत ठीक बताई जाती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों छात्राएं सड़क के किनारे खड़ी होकर अपने तीसरी सहेली की इंतजार कर रही थी । घटनास्थल पर फूलपुर पुलिस पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिंडरा पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम हेतु शिवपुर स्थित मर्चरी हाउस भेजा। वही फूलपुर थानाध्यक्ष दीपक राणावत ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से ट्रक पकड़ ली गई है आगे की कार्रवाई हो रही है। वही ग्रामीणों के मुताबिक ट्रक ड्राइवर शराब के नशे में धुत था।

बीजेपी बूथ अध्यक्ष पानी टंकी में करता दारू पार्टी

प्रखर गाजीपुर। शहर के गोरा बाजार स्थित पानी टंकी में चौकीदार के पद पर बीजेपी बूथ अध्यक्ष अनिल गुप्ता तैनात है। लेकिन बिना आईटीआई के ही ऑपरेटर की ड्यूटी करता है।एक और जहां भारतीय जनता पार्टी सुशासन की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर इसी पार्टी का बूथ अध्यक्ष पानी टंकी में दारू पार्टी चला रहा है। इसकी हनक ऐसी की नगर पालिका की जई भी इस पर कार्यवाही करने से बचती है। इसके आचरण से पानी टंकी के आसपास के लोग भी परेशान हैं। यह पानी टंकी के मुख्य द्वार पर तालाबंदी कर कर्मियों के कक्ष में अराजक तत्वों को बुलाकर दारू की पार्टी करता रहता है। परिसर मे शराब की शीशियां तीतर बीतर पड़ी रहती हैं। इसके साथ तैनात अन्य कर्मियों

की यह हिम्मत नहीं हो पाती की इसे मना कर सके। हर कोई को सरकार की हनक दिखाकर डरा देता है। वहीं अन्य का तबादला करने की भी धमकी देता रहता है। चुनाव के दौरान इसके दुर्व्यवहार के कारण ही निवर्तमान ईओ लालचंद सरोज ने इसे गोरा बाजार पानी टंकी से हटा दिया था। लेकिन जैसे ही नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव खत्म हुआ वह भाजपा प्रत्याशी नगर अध्यक्ष पद पर काबीज हुए। फिर गोरा बाजार पानी टंकी पर तैनाती मिल गई। जब इस मामले पर नगर पालिका के जेई पूजा सिंह के मोबाइल पर कॉल कर जानकारी लेनी कोशिश हुई, लेकिन उनका मोबाइल गुरुवार को सुबह से ही रिसीव नहीं हुआ। भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष सुनील गुप्ता से इस मामले पर जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि अनिल गुप्ता भाजपा का बूथ अध्यक्ष है।

विद्यार्थी परिषद ने चंद्रशेखर सेवा बस्ती के बहनों संग मनाया रक्षाबंधन उत्सव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गाजीपुर जिले के गाजीपुर नगर के कार्यकताओं द्वारा रक्षाबंधन पर्व के उद्देश्य समरसता और भाईचारे को ध्यान में रखते हुए नगर के चंद्रशेखर सेवा बस्ती के बहनों के साथ रक्षा बंधन उत्सव मनाया और उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यकर्ताओ को रक्षा सूत्र बांधकर बहनों को खुशी का ठिकाना ना रहा। इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री विपुल ने बताया की विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से ही समरसता पूर्ण समाज के निर्माण का ध्येय लिए अपनी ध्येय यात्रा को निरंतर 75 वर्ष से जारी रखी है। इस अवसर पर नगर सह मंत्री ईशान पॉल ने कहा रक्षाबंधन एक मात्र ऐसा त्यौहार है इसमें सारे बंधन टूटकर भाई बहन के खून के रिश्ते से अलग जो भाव होता है मन में बहनों को ले कर के इसको दशार्ने का यह त्यौहार है इसी के लिए विद्यार्थी परिषद ने आज सेवा बस्ती में बहनों के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। उक्त कार्यक्रम में प्रांत सह संयोजक सारंग राय नगर, सह संयोजक अमन पांडेय के साथ सेवा बस्ती के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

वृद्ध किसान की धारदार हथियार से नृसंश हत्या

गांव में जमीनी विवाद के चलते कुछ रोज पहले हुई थी पिटाई मिली थी धमकी

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। क्षेत्र के तिरछी गांव में गुरुवार की रात घर में सो रहे किसान रामनाथ चौहान 65 की अज्ञात हमलावरों ने सर तथा आंख के पास धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। मालूम हो की घटना की रात रामनाथ चौहान रोज की तरह अपने गाय भैंस बांधने वाले घर में सो रहे थे। गुरुवार को रक्षाबंधन होने के चलते उनकी बहन उन्हें राखी बांधने आई थी रात में 11 बजे तक खाना खाकर पूरा परिवार एक जगह बैठकर बातचीत किया। जिसके बाद मृतक रामनाथ चौहान सोने चले गए। रात में गर्मी अधिक होने के चलते वह दरवाजा खोलकर सो रहे थे।आधी रात के बाद पहुंचे अज्ञात हमलावरों ने सर तथा आंख के ऊपर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वारकर उनकी हत्या कर फरार हो गए। सुबह छह बजे तक भैंस नहीं खुलने पर उनकी पत्नी जब उनको जगाने गई तो दरवाजा बाहर से बंद था तथा बाहर खून फैला हुआ था। इसे देखकर वह दरवाजा खोली तो अवाक कर गई। पति का शव चौकी पर खून से लथपथ पड़ा था। यह देख कर रोते हुए इसकी सूचना अपने घर पर दी तो घर पर उनके पुत्र रामचरन भी मौके पर पहुंचे घटना की सूचना जंगल में आज की तरफ फैल गई तथा मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ गई। इसकी जानकारी उन्होंने 112 फोन पर दी। मौके पर पहुंच कर एसओ अशोक कुमार मिश्रा व पुलिस ने छानबीन किया। घटनास्थल पर एसपी ओमवीर सिंह एडिशनल एसपी ज्ञानेंद्र कुमार तथा सीओ भुडकुडा शेखर सेंगर भी मौके पर पहुंचकर लोगों से पूछ ताछ की। घटना की तह में जाने पर मामला जमीनी विवाद से जुड़ा हुआ समझ में आने लगा। पुलिस ने शक के आधार

पर गांव के ही चार लोगों को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। मृतक की पुत्री लाली देवी ने बताया कि 4 दिन पूर्व बाजरे के खेत को लेकर पिता रामनाथ चौहान का गांव के ही एक व्यक्ति से विवाद हुआ था। जिसमे रामनाथ की पिटाई की गई थी तथा जान से मारने की धमकी भी दिया गया था। एक और बात पता चला कि इन लोगों के बीच जमीन विवाद का पुराना रंजिश भी है। जिसमे एक मुकदमा में मृतक की डिग्री होने पर जब वह नापी करवाने गए तो विपक्षी ने विवाद खड़ा कर रोक दिया। कोर्ट से जीत होने के बाद गांव के ही एक व्यक्ति ने डिग्री को हाई कोर्ट में चुनौती दे दिया था।इसमें रामनाथ चौहान को एक नोटिस भी मिला था। मृतक के पुत्र रामचरन ने बताया घटना के दिन राखी बाधने आई मृतक की बहन व पत्नी एक मकान पर टीन शेड में सो रही थी। जबकि एक मकान में पुत्र रामचरन अपनी पत्नी के साथ तथा कुछ दूरी पर गाय भैंस वाले बांधने वाले घर पर पिता जी सो रहे थे। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने बारीकी से जांच की तथा घटनास्थल का नमूना इकट्ठा किया। वहीं आशंका पर पूछ ताछ के लिए उठाए गए गांव के ही चार लोगों के हाथों पर केमिकल लगाकर कुछ लगे होने की जांच की। मृतक के तीन पुत्र व तीन पुत्रियां हैं सब की शादी हो चुकी है मृतक का एक पुत्र जयमंगल चौहान दुबई में रहकर रोजी-रोटी कमाते हैं जबकि दूसरे पुत्र हरिश्चंद्र चौहान मुंबई में रहकर रोजी-रोटी कमाते हैं घर पर एक पुत्र रामचरन कुछ दिनों के लिए पत्नी की तबियत खराब होने पर घर आए हुए हैं। सूचना पर बेटे हरिश्चंद्र फ्लाइट पकड़कर घर के लिए चल चुके हैं। मृतक के पुत्र रामचरन चौहान ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की तहरीर दी । एसओ अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर 302 का मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

डॉक्टर चंद्रमा सिंह महिला महाविद्यालय शिव के पूरा सकलपुर वाराणसी पर काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव बच्चों ने लिया प्रतिभाग और हुए पुरस्कृत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। डॉक्टर चंद्रमा सिंह महिला महाविद्यालय शिव के पूरा सकलपुर वाराणसी पर 1 सितम्बर शुक्रवार को काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव का कार्यक्रम हुआ संपन्न सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के द्वारा सरस्वती मां पर माल्यार्पण किया गया उसके बाद दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि का किया गया स्वागत ` मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह प्रधानमंत्री जी के सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी भी लिए जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राकेश कुमार सिंह जिलाध्यक्ष प्रधान संगठन वाराणसी ,विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश सिंह वीडियो सेवापुरी उपस्थित रहे ` सांसद महोत्सव के कार्यक्रम में बच्चों ने गायन, वादन, नित्य नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया महा विद्यालय के छात्र-छात्राएं व अन्य विद्यालय के सहर्ष प्रतिभा कियें बच्चों के प्रतिभा को देखकर के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष ने बच्चों को आशीर्वाद

दिया जो बच्चे प्रथम आए थे उनको पुरस्कृत करके प्रमाण पत्र दिया और आगे भविष्य में बच्चों को शुभकामनाएं दी बोले जिला से लेकर प्रदेश तक बच्चे आगे बढ़े यही हमारा अग्रिम शुभकामनाएं हैं ` सांसद जी के इस कार्यक्रम से गार्जियन और बच्चे अति प्रसन्न थे इससे बच्चे कला के क्षेत्र में प्रदर्शित करके आगे बढ़ेंगे मेरे गांव ,मेरे जिला ,मेरे प्रदेश, मेरे देश का नाम रोशन होगा ` जिलाध्यक्ष ने कहा यह हमारे परिवार के बच्चे हैं सांसद जी जो यह कार्यक्रम चलाए हैं उसके लिए मैं पूरे जिले के प्रधान संगठन की तरफ से उनको धन्यवाद देता हूं और आगे ऐसी कार्यक्रम चलाए जाने पर संगठन की तरफ से पूरा सहयोग रहेगा आज भी है सहयोग कल भी रहेगा और संगठन बच्चों को अलग से पुरस्कृत करके उनका नाम रोशन करेगा` उपस्थित संसद सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, विकासखंड अधिकारी राजेश सिंह, विद्यालय के प्रबंधक जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ बाबा, विद्यालय के अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह प्राचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह कार्यक्रम का संचालन शिव शंकर शर्मा अवधेश मौर्य ने किया सेवापुरी ब्लाक के एडियो पंचायत योगेंद्र पाल ,जे इ आर ई एस मनोज मल्होत्रा कार्यक्रम का देखरेख में राकेश कुमार ,सचिव व विद्यालय का पूरा परिवार लगा रहा बच्चों के साथ जिलाध्यक्ष ने नारा लगाया भारत माता की जय वंदे मातरम वंदे मातरम।

वाराणसी: रोहनिया में काशी सांसद संस्कृत महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रखर वाराणसी। जिले में काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन आराजी लाइन ब्लाक अंतर्गत न्याय पंचायत काशीपुर के तत्वाधान में ग्राम निदेउरा स्थित सुशीला श्रीवास्तव इंटर कॉलेज में चलने वाले पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के सयुक्त मुख्य अतिथि आराजी लाइन ब्लॉक के संयुक्त खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र सिंह यादव, अपना दल एस के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह सोनू और भाजपा पंचायत प्रकोष्ठ व ढोलापुर प्रधान अजय दुबे द्वारा भगवान की प्रतिमा चित्र पर फूल माला अर्पित व दीप प्रज्वलित कर रिबन काटकर कार्यक्रम की शुरूआत किया गया। रोहनिया क्षेत्र में आयोजित पंचायतो में पांच दिवसीय चलने वाले कार्यक्रम के पहले दिन ग्राम प्रधान व जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिला प्रशासन के दिशा निर्देश का भरपुर पालन किया गया। कार्यक्रम प्रभारी रामदुलार ने बताया कि काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया है, जिसमें विभिन्न प्रकार के शास्त्रीय संगीत पर आधारित प्रतियोगिताओं को भी शामिल किया गया है. यह कार्यक्रम बनारस की संस्कृति पर भी आधारित होगा जिसमें इसका प्रमुख उद्देश्य लोगों को उस विरासत से जोड़ना है. इन प्रतियोगिताओं के लिए जिला प्रशासन की तरफ से ऑनलाइन पंजीकरण भी कराए गए हैं, जिसके बाद बनारस की जनता इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भागीदार हो सकेंगे. और जिसमें गायन, वादन, नृत्य और नुक्कड़ नाटक शामिल होगा. प्रभारी ने बताया कि न्याय पंचायत ढोलापुर, कन्नाडाढी, धनपालपुर, गांगपुर, देउरा, काशीपुर, भद्रासी, जगरदेवपुर के सभी प्रधान इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। और पंचायत स्तर की प्रतियोगिता में वाराणसी जिला प्रशासन की ओर से सांस्कृतिक महोत्सव को भव्य रूप में आयोजित कराने की तैयारी है. कार्यक्रम प्रभारी रामदुलार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पहले दिन 19 से 40 वर्ष के लोगों के बीच कार्यक्रम होना है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं